मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, बुधवार, 4 फरवरी 2026
संवत 2082, फाल्गुन कृष्ण 3 मूल्य-2 रुपये
वर्ष-9, अंक 144, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ कैंसर मौन महामारी, जागरुकता ही सबसे बड़ा बचाव
श्रिया सरन पर लगा साउथ की ए ट्रेस होने का लेबल ◀◀ 6

जेएमएम का स्थापना दिवस आज, तैयारी पूरी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पत्नी संग होंगे शामिल

धनबाद के गोल्फ मैदान में भव्य आयोजन

संवाददाता

रांची/धनबाद : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के स्थापना दिवस समारोह को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। धनबाद के गोल्फ मैदान में भव्य आयोजन की तैयारी अंतिम चरण में है। समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत पार्टी के कई बड़े नेता शामिल होंगे।

5 हजार से अधिक लोगों के बैठने की व्यवस्था: झारखंड मुक्ति मोर्चा का स्थापना दिवस समारोह इस बार भव्य तरीके से मनाया जाएगा। धनबाद स्थित गोल्फ मैदान में विशाल और आकर्षक पंडाल तैयार किया जा रहा है, जहां करीब 5 हजार से अधिक लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। समारोह की तैयारियों को लेकर बीते मंगलवार को गोल्फ मैदान में झामुमो जिला कमेटी की एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक का नेतृत्व सचेतक सह टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने किया। बैठक में पार्टी समर्थित प्रत्याशी चंद्रशेखर अग्रवाल, जिलाध्यक्ष लखी सोरेन, जिला सचिव मन्नू आलम समेत कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन होंगे शामिल: मथुरा प्रसाद महतो ने बताया कि स्थापना दिवस समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, गांडेय विधायक कल्पना सोरेन सहित पार्टी के सभी मंत्री और विधायक शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री का आगमन दोपहर करीब 3 बजे होगा और वे शाम 5 बजे तक कार्यक्रम स्थल पर रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री समारोह को संबोधित भी करेंगे। बैठक में महानगर कमेटी के जिलाध्यक्ष मंटू चौहान और केंद्रीय प्रवक्ता डॉ. नीलम मिश्रा मौजूद नहीं थीं। वहीं, बैठक में वरीय उपाध्यक्ष महानगर, वरिष्ठ नेता देबू महतो, मदन महतो, रति लाल टुडू समेत अन्य नेता उपस्थित थे। बीते मंगलवार देर रात तक गोल्फ मैदान में तैयारियां जारी रहीं। इसी दौरान डीएसपी विधि-व्यवस्था नौशाद आलम के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। मौके पर जिलाध्यक्ष लखी सोरेन, जिला सचिव मन्नू आलम, उपाध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह, प्रवक्ता समीर रवानी सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने सुनी लोगों की समस्याएं

दुमका: शहर के खिजुरिया स्थित अपने आवास पर विभिन्न क्षेत्रों से आये आम नागरिकों से मुख्यमंत्री मिले और उनकी समस्याओं से अवगत हुए। मुख्यमंत्री श्री सोरेन ने सभी शिकायतों को सुनने के उपरांत संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को इनके शीघ्र एवं प्रभावी निस्तारण हेतु निर्देश दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी सरकार आम जनता की समस्याओं के निस्तारण हेतु निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्यरत है। यह सरकार गांव की सरकार है। राज्य सरकार द्वारा संचालित अनेक जन कल्याणकारी योजनाएं आम नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ प्रदान कर रही हैं। सभी पात्र लाभार्थी इन योजनाओं का लाभ अवश्य उठाएं। मौके पर उपस्थित लोगों ने राज्य सरकार की सभी योजनाओं की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री श्री सोरेन का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

ऑनलाइन गेम में मौत का टास्क

तीन नाबालिग बहनों ने 9वीं मंजिल से कूदकर किया सुसाइड

- उम्र 12-14-16 साल, सुसाइड नोट में लिखा- सॉरी मम्मी-पापा, गेम नहीं छोड़ पाएंगे
- कोरियन लवर गेम खेलती थी तीनों बहने

गाजियाबाद: उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। यहां तीन बहनों ने इमारत की 9वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतक बहनों की पहचान निशिका (16 वर्ष), प्राची (14 वर्ष) और पाखी (12 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना भारत सिटी सोसाइटी की है और रात देररात करीब 2 बजे तीनों बहनों ने छलांग लगाई, जिनके खून से लथपथ शव लोगों ने देखे और शोर मचाया। मृतक बच्चियों के पिता चेतन कुमार ने बताया कि तीनों बहनों को गेमिंग ऐप खेलने की आदत थी। वह तीनों को मना करते थे, लेकिन वे मानती नहीं थी और कभी-कभी गेम खेलने के लिए तीनों स्कूल से बंक मार लेती थीं।

पिता चेतन कुमार ने बताया कि कोरोना काल में टाइम पास करने के लिए तीनों बहनें मोबाइल गेम खेलती थीं और तभी से तीनों को यह टारगेट बेस्ड गेम खेलने की आदत लगी। बता दें कि चेतन ने 2 शादियां की थीं। पहली से बच्चे नहीं हुए तो बीवी की बहन से शादी कर ली, जिससे 3 बच्चे हुए और फिर पहली बीवी से भी 2 बच्चे हो गए। जिन 3 बहनों ने आत्महत्या की है, उनमें से 2 लड़कियां दूसरी बीवी से और एक लड़की पहली बीवी से थी। चेतन की दोनों पत्नियां और पांचों बच्चे साथ ही रहते थे।

बताया जा रहा है कि माता-पिता द्वारा ऑनलाइन गेम खेलने पर रोक लगाने से वे मानसिक रूप से बेहद परेशान थीं। पुलिस के मुताबिक, तीनों बहनें ऑनलाइन गेमिंग की आदी हो चुकी थीं। बताया जा रहा है कि वे एक ऑनलाइन गेम खेलती थीं, जिसे कोरियन लवर गेम कहा जा रहा है। हालांकि, उन्होंने आत्महत्या जैसा कदम क्यों उठाया? इसको लेकर चीजें सामने नहीं आई हैं।

हालांकि शुरूआती जांच में सामने आया है कि तीनों बच्चियां किसी टास्क आधारित गेम या गतिविधि से जुड़ी हो सकती हैं। आशंका है कि इस गेम में कुल 50 टास्क थे और जिस दिन यह घटना हुई वही आखिरी टास्क का दिन था। हालांकि पुलिस इस मामले में छानबीन कर रही है कि बच्चियों ने यह कदम ऑनलाइन गेम के चलते उठाया है या कोई अन्य कारण है। घटना के बाद पुलिस ने बच्चियों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं। बच्चियों की कॉल रिकॉर्ड, चैट, सोशल मीडिया अकाउंट, वीडियो और इंस्टॉल किए गए ऐप्स की जांच की जा रही है।

मौके पर पुलिस को मिला सुसाइड नोटः पुलिस को मौके पर एक सुसाइड नोट भी मिला है। इसमें किसी व्यक्ति या प्लेटफॉर्म का सीधा नाम नहीं है, लेकिन कोरियन कल्चर का जिक्र जरूर है। नोट की शुरूआत में लिखा है, * ट्रू लाइफ लाइफ स्टोरी* इस डायरी में जो कुछ लिखा है वो सब पढ़ लो, क्योंकि ये सब सच है। नोट के अंत में, आईएम सॉरी मम्मी- पापा और साथ में एक उदास चेहरा बनाया गया है। पुलिस फिलहाल इस लिखावट और सुसाइड नोट की सत्यता की जांच कर रही है। जांचकर्ता इस नोट को बच्चों की मानसिक स्थिति को समझने की अहम कड़ी मान रहे हैं। पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। हालांकि परिवार ने कुछ दिन पहले बच्चियों के मोबाइल इस्तेमाल पर पाबंदी भी लगाई थी। अब पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि यह परिवार ने यह पाबंदी क्यों लगाई थी।

संसद में हंगामाः विपक्ष पर बरसे स्पीकर ओम बिरला

लोकसभा में तख्तियों के साथ नारेबाजी पर मर्यादा का पढ़ाया पाठ

नई दिल्लीः संसद के बजट सत्र में पक्ष-विपक्ष के बीच जोरदार तकरार देखने को मिल रही है। एक तरफ जहां राहुल गांधी अपने चीन सीमा विवाद वाले मुद्दे पर सरकार को घेर रहे हैं, वहीं सरकार की तरफ से इसका जवाब दिया जा रहा है। इसी बीच एक दिन पहले भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर भी विपक्ष सरकार पर निशाना साथ साध रहा है। एक दिन पहले भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की तरफ से प्रेस कॉन्फ्रेंस किया गया और आज वे लोकसभा में भी इस मुद्दे पर बोलने के लिए खड़े हुए।

विपक्षी सांसदों के हंगामे पर बोले स्पीकरः उनके भाषण के दौरान विपक्षी सांसदों ने टेबल पीटकर और हंगामा करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान विपक्ष ने राहुल गांधी को बोलने देने के लिए नारेबाजी की और वेल में भी आ गए। इस पर स्पीकर ओम बिरला ने कहा- बालू जी, आप वरिष्ठ नेता है, ये आपको अच्छा लग रहा है? विपक्षी सांसद पोस्टर लेकर पहुंचे। इस दौरान स्पीकर ने कहा - विपक्षी सांसद मयार्दा तोड़ रहे हैं। आप शासन को झुका नहीं सकते। विरोध तर्कों से होता है। अहमति मुद्दों पर होती है। ये हंगामा करना ठीक नहीं है।

विरोध करने का एक तरीका होता हैः विपक्षी सदस्यों की लगातार नारेबाजी के बीच लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, 'मेरा मानना है कि लंबे समय से सरकार में होने के बावजूद आप सदन की मयार्दा और गरिमा का उल्लंघन कर रहे हैं। विरोध करने का एक तरीका होता है, और भी तरीके हो सकते हैं, लेकिन आप सभी अपनी निर्धारित सीटों को छोड़कर दूसरी तरफ जा रहे हैं। अगर आप इस तरह से गरिमा का उल्लंघन करेंगे, तो देश की जनता लोकतंत्र पर से विश्वास खो देगी। आप सभी वरिष्ठ नेता हैं, लेकिन सदन के नियमों का उल्लंघन करना उचित नहीं है। विरोध नारेबाजी या पोस्टर लेकर चलने से नहीं होता, विरोध शब्दों और तर्कपूर्ण दलीलों से होता है।'

उधमपुर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, 2 आतंकी छिपे, सेना का ऑपरेशन जारी

उधमपुर : जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के बसंतगढ़ इलाके में मंगलवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस दौरान जैश-ए-मोहम्मद के एक आतंकी को गोली लगने की सूचना है। बताया जा रहा है कि दो आतंकवादी एक गुफा में छिपे हुए हैं। सेना की व्हाइट नाइट कोर के अंतर्गत सीआईएफ डेल्टा, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने आतंकियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना मिलने के बाद बसंतगढ़ क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। रामनगर के जाफर जंगल इलाके में छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। करीब एक घंटे तक चली मुठभेड़ के दौरान एक आतंकी को गोली लगी, लेकिन वह अपने साथी के साथ गुफा के भीतर घुस गया। सूत्रों के अनुसार, गुफा में दो संभावित निकास मार्ग हैं, जिन्हें सुरक्षाबलों ने घेराबंदी कर सील कर दिया है।

ऑस्ट्रेलिया में महात्मा गांधी की प्रतिमा चोरी, 426 किलो की कांस्य प्रतिमा काट कर ले भागे चोर

एजेंसी/ मेलबर्नः ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर से एक बेहद दुखद और हैरान करने वाली घटना सामने आई है। रोविल में ऑस्ट्रेलियाई भारतीय सामुदायिक केंद्र के बाहर लगी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की आदमकद कांस्य प्रतिमा को अज्ञात चोरों ने चुरा लिया है। यह प्रतिमा भारत सरकार की ओर से ऑस्ट्रेलियाई भारतीय समुदाय को उपहार स्वरूप दी गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना सोमवार देर की है। सीसीटीवी फुटेज में देखा गया है कि नकाबपोश चोर एक सफेद रंग की वैन में आए थे। तीन अज्ञात अपराधियों ने एंगल ग्राइंडर (लोहा काटने वाली मशीन) का इस्तेमाल कर 426 किलोग्राम भारी इस प्रतिमा को उसके फाउंडेशन से काट दिया। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों में देखा जा सकता है कि चोरों ने प्रतिमा को उसके टखनों के पास से काटा, जिससे स्टैंड पर केवल गांधी जी के पैर ही बचे रह गए।

केरल हाई कोर्ट की तलाक प्रकरण में बड़ी टिप्पणी

पत्नी ने पति छोड़ा, तो अलग रहने के लिए मेंटेनेंस नहीं

एजेंसी/ तिरुवनंतपुरमः केरल हाई कोर्ट ने तलाक के एक मामले में बड़ी टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि अगर पत्नी ने बिना किसी बड़ी वजह से पति को छोड़ दिया है, तो वह तलाक से पहले अलग रहने के दौरान का मेंटेनेंस नहीं मांग सकती है। जस्टिस सतीश निनान और जस्टिस पी कृष्ण कुमार की डिवीजन बेंच ने फैमिली कोर्ट के फैसले को दरकिनार करते हुए कहा कि जब पत्नी ने ही पति को छोड़ने का फैसला किया है, तो उसे पहले का मेंटेनेस देने का कोई तुक नहीं है। फैमिली कोर्ट ने दोनों को इसी बुनियाद पर तलाक की अनुमति दी थी कि पत्नी ने पति को छोड़ दिया है। इसके पीछे कोई बड़ी वजह भी सामने नहीं आई थी। फैमिली कोर्ट ने कहा था कि पत्नी जब से अलग रह रही थी, तब से ही मेंटेनेंस देना होगा। हाई कोर्ट ने कहा कि तलाक कानून 1869 के तहत अगर किसी एक की इच्छा से भी तलाक दिया जाता है, तब भी पहले का मेंटेनेंस देना जरूरी नहीं है। महिला के वकील ने कोर्ट में कहा कि अगर पत्नी ने पति को छोड़ दिया है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि इसके पीछे कोई वजह नहीं है।

घुसपैठ के लिए केंद्र जिम्मेदार, ममता का हमला, पूछा 24 साल बाद चुनाव से ठीक पहले एसआईआर क्यों

नई दिल्लीः पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले चल रहे वोटर लिस्ट के गहन पुनरीक्षण कार्य को लेकर चल रहा सियासी संग्राम अब दिल्ली तक पहुंच चुका है। बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने मंगलवार को लगातार दूसरे दिन चुनाव आयोग की इस एक्ससाइज पर सवाल उठाए। दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कान्फ्रेंस में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एसआईआर पर कहा कि पहले फेज में उन्होंने (ईसीआई) 58 लाख नाम हटा दिए, वे पीड़ितों को फॉर्म नंबर छह भरकर अपना बचाव करने का कोई मौका भी नहीं दे रहे हैं। सिर्फ 58 लाख नाम एकतरफा हटा दिए गए, हर साल चुनाव आयोग सर्वे करता है और स्पेशल रिवीजन करता है, वह एक अलग सवाल है। ऐसे बहुत से लोग हैं जो जिंदा हैं, लेकिन उन्हें मरा हुआ दिखाया गया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि मेरा पहला प्वाइंट यह है कि साल 2002 में बंगाल में एसआईआर केस रजिस्टर और प्रोसेस किए गए थे।

जमीन विवाद में हत्या के 6 आरोपियों को सश्रम आजीवन कारावास, जुर्माना भी लगा

कोडरमा : जमीन विवाद में बुजुर्ग की हत्या किये जाने के एक मामले की सुनवाई करते हुए, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रमाकांत मिश्रा की अदालत ने मंगलवार को 6 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 8000 रुपये का जुर्माना लगाया। जिन आरोपियों को सजा सुनाई गई उसमें 47 वर्षीय उमेश यादव, 38 वर्षीय चुरामन यादव, 35 वर्षीय राम लखन यादव, 33 वर्षीय बसंती देवी, 32 वर्षीय ललिता देवी और 19 वर्षीय अविनाश कुमार सभी थाम चंदवारा निवासी शामिल हैं। अदालत ने 302 आईपीसी के तहत सभी को दोषी पाते हुए सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई। वहीं 307 आईपीसी के तहत दोषी पाते हुए 7 वर्ष की सजा सुनाई गई। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी।

साल 2023 की है घटनाः जानकारी के अनुसार मामला वर्ष 2023 का है। घटना को लेकर चंदवारा थाना में गणेश यादव ने आवेदन देकर कांड संख्या 109/23 दर्ज कराया था। आवेदन में गणेश यादव ने बताया था कि गोतिया लोगों से जमीन का विवाद चल रहा था। इसे लेकर पार्टीशन शूट न्यायालय में दिया गया था। इसी दौरान आरोपी उस जमीन पर जेसीबी लगाकर कार्य कर रहे थे। जब हम लोगों के द्वारा मना किया गया और बोला गया कि न्यायालय का निर्णय आने दो उसके बाद काम लगाना। इसी पर गुस्सा होकर उन लोगों के द्वारा हरवे -हथियार से लैस होकर मारपीट किया गया। घटना में मेरे अलावा भीखो यादव, दिनेश यादव, शंभू यादव सहित अन्य को गंभीर चोट आई। घायलों को तत्काल स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने भीखो यादव 85 वर्ष को मृत घोषित कर दिया।

13 गवाहों का बयान दर्जः हत्या का मामला अदालत में आने के बाद अभियोजन का संचालन लोक अभियोजक प्रवीण कुमार सिंह ने किया। इस दौरान 13 गवाहों का परीक्षण कराया गया। कार्रवाई के दौरान अपराध की गंभीरता को देखते हुए लोक अभियोजक ने न्यायालय से अभियुक्तों को अधिक से अधिक सजा देने का आग्रह किया। वहीं, बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता अनवर हुसैन ने दलीलें पेश करते हुए बचाव किया। अदालत ने सभी गवाहों और साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद छह अभियुक्तों को सश्रम आजीवन कारावास की सजा मुकर्रर की और जुर्माना लगाया।

हेसल टोल प्लाजा पर फायरिंग बंदूक लहराकर भागे अपराधी

रांची (अनगड़ा): हेसल टोल प्लाजा में अज्ञात लोगों ने हवाई फायरिंग कर दहशत फैला दिया। बताया गया कि एनएच 33 पर रामपुर की तरफ से विकास की ओर जा रहा एसयूवी जेएच01एफजी1025 टोल प्लाजा के पास रूका, इसके बाद कार से एक महिला और एक पुरुष उतरे और 13 नंबर बूथ में ड्यूटी कर रहे विशाल उपाध्याय को बाहर बुलाया। विशाल को बाहर बुलाने के बाद उनलोगों ने उनके साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। आरोप है कि टोल प्लाजा पर फ्री नहीं जाने देने के कारण आवेशित कार सवार लोगों ने यहां जमकर हंगामा किया, इसके बाद पुरुष ने हाथ में पिस्टल लहराते हुए फायर कर दिया।

ये गनीमत थी पिस्टल की गोली किसी को नहीं लगी। गोली की आवाज सुनकर अन्य टोल कर्मचारी वहां पहुंचे तो हंगामा कर रहे आरोपी पिस्टल लहराते हुए भाग निकले। घटनास्थल से एक खोखा बरामद किया गया है, साथ ही सीसीटीवी फुटेज पर पूरा घटना कैद है। टॉल कर्मचारी का आरोप है कि हंगामा कर रहे लोगों ने मोबाइल और 13000 रुपये पिस्टल दिखाकर लूट लिया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

एचइसी सीएमडी का सरकारी क्वार्टर अटैच, होगी नीलामी

रांचीः यूपी की दयाचंद इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की बकाया राशि का भुगतान नहीं करना एचइसी सीएमडी को भारी पड़ गया है। कोर्ट के आदेश पर आपूर्ति कंपनी ने एचइसी सीएमडी के सरकारी क्वार्टर को अटैच कर लिया है। अब आगे इस क्वार्टर की नीलामी की प्रक्रिया शुरू की जायेगी। वकीलों की टीम के अनुसार, मामला वर्ष 2017 का है। दयाचंद इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज ने एचइसी को वेल्डिंग रॉड की आपूर्ति की थी, लेकिन कंपनी को उसकी बकाया राशि नहीं दी गयी।

एचइसी को बकाया राशि देने का आदेश दिया थाः आपूर्ति कंपनी ने एमएसएमइ ट्रिब्यूनल, उत्तर प्रदेश में आर्बिट्रेशन केस दाखिल किया। इस पर यूपी की संबंधित कोर्ट ने 2017 में आपूर्ति कंपनी के पक्ष में फैसला सुनाते हुए एचइसी को बकाया राशि देने का आदेश दिया था। इसके बाद इस फैसले के क्रियान्वयन के लिए रांची सिविल कोर्ट में एग्जीक्यूशन केस दायर किया गया। लेकिन इस मामले में एचइसी प्रबंधन की ओर से अब तक कोई उपस्थिति दर्ज नहीं करायी गयी। तब लगातार अनुपस्थित रहने के कारण अदालत ने एकतरफा फैसला सुनाते हुए सीएमडी के क्वार्टर को अटैच करने का आदेश जारी कर दिया। इसके बाद आपूर्ति कंपनी ने कानूनी प्रक्रिया के तहत क्वार्टर को अटैच कर लिया है। अब नियमानुसार नीलामी की प्रक्रिया पूरी की जायेगी, ताकि बकाया राशि की वसूली की जा सके।

नाबालिग आदिवासी बच्ची के साथ दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

बोकारोः जिला स्थित पेटरवार थाना क्षेत्र में एक 12 वर्षीय आदिवासी बच्ची के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। मामले में पेटरवार थाना पुलिस ने पोक्सो एक्ट समेत गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी बिहार के रोहतास जिले के तिलौथू थाना क्षेत्र का रहने वाला है। अकेलेपन का फायदा उठाकर नाबालिग के साथ दुष्कर्मः जानकारी के मुताबिक, आरोपी युवक कोलकाता-वाराणसी सिक्स लेन एक्सप्रेस-वे निर्माण कार्य कर रही एक कंपनी में पत्थर खनन करने वाली मशीन में ऑपरेटर के रूप में कार्य करता था। वह पीड़िता के घर के पास किराए के मकान में रह रहा था। बताया जाता है कि नाबालिग बच्ची के माता-पिता मजदूरी करते हैं, जो घटना के दिन मजदूरी करने के लिए बाहर गए हुए थे। तभी आरोपी ने मौके का फायदा उठाकर घटना को अंजाम दिया।

बच्ची के शोर मचाने पर हुआ मामले का खुलासाः इस संबंध में जरीडीह सर्किल इंस्पेक्टर शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि एक नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना हुई। जहां बच्ची का घर है, वहीं एक कंपनी में काम करने वाले बिहार के रोहतास निवासी सत्येंद्र यादव ने बच्ची के घर में उसके साथ दुष्कर्म किया। उस दौरान बच्ची के माता-पिता मजदूरी करने बाहर गए हुए थे। बच्ची के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण एकत्रित हुए और उस शख्स को पकड़कर पुलिस को मामले की जानकारी दी। जिसके बाद पेटरवार थाना प्रभारी राजू मुंडा द्वारा कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मौसम कर रहा कंफ्यूज

सुबह ठंड तो दोपहर में गर्मी , लोग परेशान

संवाददाता

रांचीः झारखंड में इन दिनों मौसम का अजीब खेल देखने को मिल रहा है। सुबह और शाम ठंड से लोग कांप रहे हैं, तो वहीं दोपहर में तेज धूप लोगों को पसीना निकालने पर मजबूर कर रही है। इस बदलते मौसम ने लोगों को कंफ्यूज और परेशान दोनों कर दिया है। पहाड़ी इलाकों में बारिश और बर्फबारी का असर झारखंड के तापमान पर भी साफ दिख रहा है।

झारखंड में मौसम का डबल मिजाजः राज्य के कई जिलों में सुबह और शाम कड़ाके की ठंड महसूस की जा रही है। हालात ऐसे हैं कि लोगों को 2-2 स्वेटर पहनने पड़ रहे हैं। वहीं, दोपहर में तेज धूप निकलते ही गर्मी सताने लगती है और स्वेटर उतारने पड़ते हैं। मौसम के इस उतार-चढ़ाव ने लोगों की दिनचर्या को प्रभावित कर दिया है। देवघर, गोड्डा, दुमका, पाकुड़ और जामताड़ा जैसे उत्तर-पूर्वी जिलों में दोपहर की धूप काफी तेज हो रही है। धूप इतनी कड़ी है कि लोगों को पसीना आ रहा है। हालांकि सुबह और शाम हल्की ठंड बनी हुई है। इन जिलों में न्यूनतम तापमान 11 से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जा रहा है, जबकि अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री के आसपास बना हुआ है।

जमशेदपुर और सरायकेला में दोपहर में गर्मीः जमशेदपुर और सरायकेला-खरसावां जिलों में सुबह और शाम हल्की ठंड है, लेकिन दोपहर में गर्मी काफी ज्यादा महसूस की जा रही है। धूप इतनी तेज होती है कि लोगों को स्वेटर की जरूरत ही नहीं पड़ती। सिग्नल पर कुछ देर रुकते ही पसीना निकलने लगता है। यहां अधिकतम तापमान करीब 32 डिग्री तक पहुंच रहा है, जबकि न्यूनतम तापमान 15 से 16 डिग्री के बीच बना हुआ है।

गुमला में अब भी ठंड का असरः गुमला जिला अभी भी ठंड की गिरफ्त में है। जंगलों और कच्चे मकानों की अधिकता के कारण यह जिला हमेशा ठंडे इलाकों में गिना जाता है। दिसंबर में यहां न्यूनतम तापमान 0 डिग्री तक दर्ज किया गया था। बीते 24 घंटे में यहां का न्यूनतम तापमान 8.3 डिग्री दर्ज किया गया है। सुबह और शाम यहां कड़ाके की ठंड पड़ रही है और लोगों को डबल स्वेटर पहनना पड़ रहा है। खास बात यह है कि गुमला में दोपहर के समय भी ठंडी हवाएं चल रही हैं।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई

10 हजार घूस लेते जिला आयुष पदाधिकारी गिरफ्तार

संवाददाता

चतराः जिला मुख्यालय स्थित सदर अस्पताल परिसर में मंगलवार की दोपहर लगभग 03 बजे भ्रष्टाचार के खिलाफ एसीबी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला आयुष पदाधिकारी राम प्रकाश वर्मा को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, राम प्रकाश वर्मा टंडवा में पदस्थापित आयुष चिकित्सक डॉ। प्रिया कुमारी से वेतन निकासी के एवज में बतौर रिश्वत 20 हजार रु राशि मांग रहे थे। 20 हजार की राशि में से प्रथम किस्त के रूप में 10 हजार रु की राशि ले रहे थे। शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी ने जाल बिछाया और आरोपी अधिकारी को मौके पर ही दबोच लिया। यह कार्रवाई हजारीबाग एसीबी के एसपी आरिफ एकराम के नेतृत्व में गठित एसीबी की विशेष टीम ने की।गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए एसपी आरिफ इकराम ने बताया कि भुक्तभोगी द्वारा एसीबी को 01 फरवरी को लिखित रूप से रिश्वत मांगे जाने की शिकायत की गई थी। शिकायत के पश्चात कार्रवाई की गई। मामले में आगे की पूछताछ जारी है और अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है। गिरफ्तार आरोपी को एसीबी अपने साथ हजारीबाग ले गई है।

नगर परिषद (आम) निर्वाचन 2026

नाम-निर्देशन प्रक्रिया के पांचवें दिन विभिन्न वार्डों से नामांकन दाखिल

चतराः नगर परिषद (आम) निर्वाचन 2026 के अंतर्गत नाम-निर्देशन की प्रक्रिया के पाँचवें दिन बुधवार को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से नामांकन कार्य संपन्न कराया गया। इस क्रम में वार्ड सदस्य पद के लिए वार्ड संख्या 01 से वासुदेव यादव, धीरज कुमार, योगेंद्र यादव, राकेश कुमार एवं भोला बिहारी लाल; वार्ड संख्या 02 से निखत प्रवीण, अनीता देवी, ऋतिक कुमार, संगीता सिन्हा एवं कांति देवी; वार्ड संख्या 03 से सैउद्दूर रहमान, संजय कुमार, मोहम्मद नेहाल, आलोक कुमार, मोहम्मद शमीम अख्तर एवं मोहम्मद शाहिद; वार्ड संख्या 04 से कुमारी निशा एवं रानी कुमारी; वार्ड संख्या 06 से मनोज कुमार प्रधान; वार्ड संख्या 07 से पूनम कुमारी एवं पूनम देवी; वार्ड संख्या 08 से सुमित जयसवाल, सरिता देवी, हीरामन साव एवं सोमेंद्र नाथ घोष; वार्ड संख्या 09 से बबीता कुमारी एवं प्रमिला देवी; वार्ड संख्या 10 से मीरा देवी एवं बबीता देवी; वार्ड संख्या 11 से वेदवती जयसवाल; वार्ड संख्या 12 से आफताब आलम, मोहम्मद शोएब एवं मोहम्मद माजिद आलम; वार्ड संख्या 13 से माया देवी; वार्ड संख्या 14 से अफसाना खातून; वार्ड संख्या 15 से फिरदौशी रौनक एवं साहिना खातून; वार्ड संख्या 16 से राम प्रवेश कुमार, अमन कुमार गुप्ता, विशाल कुमार, छोटू कुमार एवं सुशील कुमार; वार्ड संख्या 17 से अंजू कुमारी एवं सुमित्रा देवी; वार्ड संख्या 18 से मोहम्मद आसिफ इकबाल एवं प्रेमानंद साहू; वार्ड संख्या 19 से हलीमा खातून एवं अजहर हकीम; वार्ड संख्या 20 से मोहम्मद इमरान; वार्ड संख्या 21 से विनोद राम तथा वार्ड संख्या 22 से नितेश कुमार, सौरभ कुमार एवं प्रकाश कुमार द्वारा नामांकन पत्र दाखिल किया गया।वहीं नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए कुल नौ प्रत्याशियों राजवीर, अभिषेक कुमार, राजेश कुमार रौशन, जमुना प्रसाद, हिमांशु कुमार, पप्पू कुमार यादव, मोहम्मद आशिक, मोहम्मद वसीर निजामुद्दीन एवं सुदेश कुमार द्वारा नामांकन पत्र दाखिल किया गया।जिला प्रशासन द्वारा निर्वाचन आयोग के निदेशों के अनुरूप नाम-निर्देशन प्रक्रिया को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई हैं। जिला प्रशासन ने बताया कि निर्धारित तिथियों के अनुसार नामांकन की प्रक्रिया आगे भी सुचारु रूप से जारी रहेगा।

वार्ड 01 में वार्ड पार्षद पद पर योगेंद्र यादव ने किया नामांकन- कहा, वार्ड का करेंगे सर्वांगीण विकास,3

चतराः नगर परिषद क्षेत्र चुनाव की सरगर्मी काफी तेज हो गई है। एक ओर जहां स्थानीय सरकार बनाने के लिए विभिन्न वार्डों से प्रत्याशियों का हुजूम नामांकन उमड़ रहा है।वहीं उनके समर्थक भी भीड़ जमा करने में लगे हैं। वार्ड नंबर 01 से योगेंद्र यादव ने भी अपनी दावेदारी ठोकी है। उन्होंने मंगलवार को नगर परिषद नामांकन दाखिल किया। इसके नामांकन में भारी संख्या में लोग पहुंचे। नामांकन के पश्चात योगेंद्र यादव ने वार्ड में जन संपर्क अभियान शुरू कर दिया है। उन्होंने जनता से एक बार मौका देने की अपील की। कहा कि वार्ड में बिजली, सड़क और नाली का घोर अभाव है।अगर जनता ने मुझे मौका दिया तो इन मूलभूत समस्याओ को दूर करूंगा।

हंटरगंज में ग्रामीणों ने प्रेमी युगल की कराई शादी

चतराः जिले के हंटरगंज प्रखंड में एक प्रेम प्रसंग को लेकर बढ़ रहा तनाव उस समय खुशियों में बदल गया। जब ग्रामीणों और दोनों परिवारों की पहल से प्रेमी युगल का विवाह संपन्न कराया। बिना किसी विशेष रस्म-रिवाज, बैण्ड-बाजा के, प्रेमी युगल ने एक-दूसरे को फूल माला पहनाकर वैवाहिक बंधन में प्रवेश किया। मामला हंटरगंज थाना क्षेत्र के गोदोबार का है। जहां हीरिंग गांव के एक युवक और गोदोबार गांव की युवती के बीच काफी समय से प्रेम संबंध चल रहा था। चोरी-छिपे मिलने के दौरान उन्हें कई बार पकड़ा गया। जिसके बाद मामला गांव में चर्चा का विषय बन गया। लगातार पकड़े जाने की घटनाओं ने दोनों परिवारों के बीच तनाव बढ़ा दिया था। सामाजिक माहौल बिगड़ने की आशंका थी। गोदोबार निवासी युवती मुन्नी कुमारी (18) जबकि हीरिंग गांव निवासी युवक रवि कुमार(21) है। दोनों के घरों की दूरी लगभग आधा किलोमीटर है। स्थानीय लोगों के अनुसार प्रेमी युगल को कई बार साथ पकड़े जाने के कारण गांव में तनाव की स्थिति बन रही थी। दोनों परिवारों के बीच मतभेद भी लगातार बढ़ते जा रहे थे। स्थिति बिगड़ने से पहले ग्रामीणों ने एकजुट होकर समाधान निकालने का निर्णय लिया। पंचायत का फैसला- करवाया गया विवाहः ग्रामीणों, बुजुर्गों और दोनों परिवारों की मौजूदगी में पंचायत बैठक हुई। बातचीत के बाद सर्वसम्मति से प्रेमी युगल का विवाह कराने पर सहमति बनी। विवाह सादगी से न बैण्ड, न बाजा, न कोई विशेष रस्म, सिर्फ घराती और बाराती की मौजूदगी में दोनों ने एक-दूसरे को फूलमाला पहनाकर वैवाहिक बंधन में प्रवेश कराया गया। विवाह के दौरान मौजूद लोगों ने पूरा घटनाक्रम मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया। जिसका वीडियो सामने आया है।

देवघर में महाशिवरात्रि की तैयारी शुरू

शिव बारात में हैकर दैत्य देगा साइबर फ्रॉड से बचने का संदेश

संवाददाता

देवघरः बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर एक बार फिर भक्ति, कला और सामाजिक संदेश के अनोखे संगम की साक्षी बनने जा रही है। महाशिवरात्रि के अवसर पर 15 फरवरी को निकलने वाली भव्य शिव बारात की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। जिला प्रशासन के साथ-साथ आयोजन समितियां पूरी ताकत झोंक चुकी हैं, ताकि श्रद्धालुओं को यादगार अनुभव मिल सके।

शिव बारात में दिखेगा आस्था और रोमांच का अनूठा संगमः इस वर्ष की शिव बारात खास इसलिए भी है, क्योंकि इसमें पारंपरिक धार्मिक झांकियों के साथ समकालीन सामाजिक मुद्दों को भी जोड़ा गया है। आयोजकों के अनुसार, शिव तांडव की उग्रता को दर्शाती 13 फीट ऊंची दहकती खोपड़ी की झांकी दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र होगी। खोपड़ी के कान और मुंह से निकलती आग की लपटें और पूरे ढांचे से

उठता धुएं का गुबार शिव की रहस्यमय और शक्तिशाली छवि को जीवंत कर देगा।

हैकर दैत्य देगा साइबर फ्रॉड से बचाव का संदेशः इस बार शिव बारात में एक अनोखी झांकी हैकर दैत्य भी शामिल की जा रही है, जो साइबर अपराध के प्रति लोगों को जागरूक करेगी। 13 फीट ऊंची यह झांकी आधुनिक दौर की उस सच्चाई को सामने रखेगी, जिसमें एक छोटी सी लापरवाही या लालच के कारण लोगों की वर्षों की कमाई पल भर में लुट जाती है। झांकी के माध्यम से यह भी बताया जाएगा कि कैसे साइबर फ्रॉड आर्थिक तनाव पैदा करता है और कई बार लोग गलत कदम उठाने को मजबूर हो जाते हैं।

झांकी निर्माण में जुटी आयोजन समितिः शिक्षा सभा चौक के समीप सशस्त्र विभाग के अध्यक्ष मार्कंडेय जजवाड़े उर्फ पुट्टू के नेतृत्व में झांकियों का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। समिति का कहना है कि इन झांकियों का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज को सतर्क और जागरूक करना भी है। भक्ति के साथ सामाजिक चेतना का यह प्रयोग शिव बारात को एक नई पहचान देगा।

श्रद्धालुओं की सुविधा और स्वागत की विशेष व्यवस्थाः महाशिवरात्रि को लेकर क्लीन केयर भारती सोसाइटी की ओर से भी व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। पुराना मीना बाजार स्थित सोसाइटी कार्यालय में हुई बैठक में कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। बैठक की अध्यक्षता सोसाइटी के संस्थापक सीएम भारती ने की। इसमें शिव बारात के स्वागत के लिए विशेष स्टॉल लगाने, बारातियों पर पुष्प वर्षा करने और शरबत, फल व सूखे मेवे की व्यवस्था करने का निर्णय लिया गया।

बाबा भोलेनाथ की तस्वीर होगी श्रद्धालुओं को भेंटः सोसाइटी की ओर से शिव बारात दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को बाबा भोलेनाथ की तस्वीर भेंट स्वरूप दी जाएगी। सेवा और स्वागत को प्राथमिकता देते हुए स्टॉल स्थापना स्थलों (क्लब ग्राउंड, मारुति शोरूम और बजरंग धाम के बगल) को अंतिम रूप दिया गया है।

सेवा, भक्ति और सामाजिक संदेश का संगमः आयोजकों का मानना है कि इस वर्ष की शिव बारात में भक्ति, कला और सामाजिक सरोकारों का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। दहकती खोपड़ी और हैकर दैत्य जैसी झांकियां जहां रोमांच पैदा करेंगी, वहीं साइबर फ्रॉड के खिलाफ मजबूत संदेश भी देंगी। अनुमान है कि इस भव्य आयोजन को देखने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ेगी और देवघर एक बार फिर आस्था के महासागर में डूबा नजर आएगा।

धुर्वा डैम अतिक्रमण मामले को एसीबी ने किया टेकओवर, अनुसंधान शुरू

मेट्रो रेज

रांची: धुर्वा डैम के कैचमेंट एरिया में अतिक्रमण करने के मामले की जांच झारखंड एसीबी करेगी। इस मामले में रांची के नगड़ी थाना में दर्ज केस संख्या 21/2026 को एसीबी ने बुधवार को टेकओवर किया है। इसके बाद एसीबी अब पूरे मामले की जांच शुरू करेगी। हाईकोर्ट के आदेश पर यह जांच हुई है। इससे पहले रिम्स की जमीन को अतिक्रमण के मामले को टेकओवर कर एसीबी जांच कर रही है।

नगड़ी थाना में दर्ज हुआ मामला

नगड़ी थाना की पुलिस ने धुर्वा डैम अतिक्रमण के मामले में केस दर्ज किया था। यह केस हाइकोर्ट के आदेश के बाद एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर दर्ज हुआ है। हाइकोर्ट ने अपने आदेश में इस जमीन को अवैध तरीके से ट्रांसफर करने, इसकी जमाबंदी करने और लगान रसीद जारी करने में शामिल अधिकारियों 'को चिह्नित करने का आदेश दिया है। हाइकोर्ट ने ऐसे लोगों को चिह्नित कर लिये जाने के बाद उन पर विभागीय पर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है।

जमीन खरीदने को लेकर याचिका दी गयी थी

धुर्वा डैम के कैचमेंट एरिया में वैध तरीके से जमीन खरीदने को लेकर याचिका दी गयी थी। जिसमें कोर्ट को याचिकाकर्ता ने बताया था कि जमीन पर घर भी बनाया गया है। दूसरी ओर जमीन पर अतिक्रमण को खाली करने के लिए नगड़ी सीओ ने नोटिस जारी कर दिया। जिसके बाद कोर्ट ने संबंधित पक्ष को दस्तावेज के साथ नगड़ी सीओ के पास उपस्थिति होने के लिए कहा था। मामले में सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि संबंधित जमीन धुर्वा डैम के कैचमेंट एरिया के अधीन है। जिसका अधिग्रहण पूर्व में सरकार कर चुकी है। उक्त जमीन की बिक्री निजी लोगों को नहीं की जा सकती है।

आर्मी पब्लिक स्कूल में पेंटिंग प्रतियोगिता के माध्यम से विश्व आर्द्रभूमि दिवस का आयोजन

मेट्रो रेज

रांची: विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2024 प्रत्येक वर्ष 2 फरवरी को मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य विश्व भर में आर्द्रभूमियों के महत्व एवं उनके संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता फैलाना है।

इसी क्रम में आर्मी पब्लिक स्कूल, रांची में विश्व आर्द्रभूमि दिवस का आयोजन पेंटिंग प्रतियोगिता के माध्यम से किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रंगों के जरिए अपनी सोच और परसेप्शन को प्रस्तुत करते हुए आर्द्रभूमियों के संरक्षण, जैव-विविधता तथा पर्यावरण संतुलन के महत्व को प्रभावशाली रूप में दशार्या।

विद्यालय के प्रधानाचार्य अभय कुमार सिंह ने इस अवसर पर विद्यार्थियों की रचनात्मकता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं।यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए शिक्षाप्रद एवं प्रेरणादायक रहा।

ड्रीम टॉवर निर्माणाधीन अपार्टमेंट से युवक का शव बरामद, इलाके में हड़कंप

मेट्रो रेज

रांची: राजधानी रांची के पुंदाग थाना क्षेत्र अंतर्गत लाजपत नगर में उस समय सनसनी फैल गई, जब ड्रीम टॉवर निर्माणाधीन अपार्टमेंट से एक अज्ञात युवक का शव बरामद किया गया। शव मिलने की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार, लाजपत नगर में बन रहे एक अपार्टमेंट के अंदर युवक का शव संदिग्ध अवस्था में पाया गया। आसपास के लोगों ने जब अपार्टमेंट परिसर में युवक को अचेत अवस्था में देखा, तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई।

सूचना मिलते ही पुंदाग थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुँची और पूरे क्षेत्र को घेराबंदी कर अपने नियंत्रण में लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है।

पुलिस द्वारा घटनास्थल की बारीकी से जांच की जा रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई। साथ ही यह भी जांच का विषय है कि मामला दुर्घटना का है, आत्महत्या का या फिर किसी आपराधिक घटना से जुड़ा हुआ है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो पाएगा। आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं और स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है। फिलहाल इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस का कहना है कि हर पहलू से मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही सच्चाई सामने लाई जाएगी।

अब्दुल वारिस ने वार्ड संख्या 9 से नामांकन दाखिल किया

मेट्रो रेज

लोहरदगा : पूर्व वार्ड पार्षद अब्दुल वारिस ने आज वार्ड संख्या 9 से अपना नामांकन दाखिल किया। इस अवसर पर उनके समर्थकों की भारी भीड़ रैली के रूप में समाहरणालय परिसर तक पहुँचा । पूरे क्षेत्र में उत्साह और जोश का माहौल देखने को मिला। समर्थकों ने नारेबाजी करते हुए अब्दुल वारिस के समर्थन में अपनी एकजुटता दिखाई। चाहे कड़ाके की ठंड हो या भुखमरी के कठिन दिन, हर परिस्थिति में गरीबों और मजलूमों के बीच रहने वाले वारिस के लिए लोगों का प्यार साफ झलकता नजर आया। स्थानीय लोगों का कहना है कि वारिस ने हमेशा जनता की समस्याओं को प्राथमिकता दी है और जमीन से जुड़कर काम किया है। इसी विश्वास और सेवा भाव के कारण आज वार्ड 9 की जनता उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

समर्थकों और क्षेत्रवासियों की एक ही दुआ है कि वार्ड संख्या 9 से वारिस की जीत सुनिश्चित हो और वे एक बार फिर जनता की आवाज बनकर उभरें।

वार्ड 15 के विकास के लिए कौसर परवीन को दें सेवा का अवसर

रांची: रांची नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर वार्ड संख्या 15 से कौसर परवीन ने पार्षद पद के लिए चुनाव मैदान में उतरने की घोषणा की है। उन्होंने वार्डवासियों से अपील की है कि वे एक बार उन्हें सेवा का अवसर देकर वार्ड के सर्वांगीण विकास में सहभागी बनें।

कौसर परवीन ने कहा कि उनका लक्ष्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि वार्ड की वर्षों पुरानी बुनियादी समस्याओं का स्थायी समाधान करना है। उन्होंने बताया कि साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था, शुद्ध पेयजल की उपलब्धता, जर्जर सड़कों व नालियों का निर्माण, स्ट्रीट लाइट की समुचित व्यवस्था तथा

जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण को वे अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता मानती हैं।

उन्होंने वार्ड की जनता से समर्थन की अपील करते हुए कहा कि यदि उन्हें चुना गया, तो वे हर वर्ग के लोगों के साथ मिलकर ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करेंगी। कौसर परवीन ने विश्वास जताया कि वार्ड संख्या 15 की जनता विकास और जनसेवा के मुद्दे पर उन्हें अपना समर्थन देगी।

नगर निकाय चुनाव

वार्ड 13 से कांति कुमारी ने किया नामांकन

नगर निकाय चुनाव

अध्यक्ष पद के नामांकन के समय उपस्थित हुए मधु कोड़ा, प्रत्याशियों का बढ़ाया मनोबल

विनय मिश्रा

चक्रधरपुर: झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने नगर निकाय चुनाव में अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों का मनोबल और उत्साह बढ़ाने के लिए नामांकन के दिन स्वयं उपस्थित होकर राजनीतिक सर गर्मी को बढ़ा दी है। नगर निकाय 2026 के अध्यक्ष पद के लिए भारतीय जनता पार्टी से चाईबासा और चक्रधरपुर में नगर परिषद अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों के नामांकन के दिन स्वयं उपस्थित होकर उन्होंने यह संदेश देने का काम किया है कि वह पश्चिम सिंहभूम जिला के दोनों नगर परिषद में अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों के पक्ष में उपस्थित होकर उनका मनोबल और उत्साह बढ़ा रहे हैं । चक्रधरपुर नगर परिषद अध्यक्ष पद के नामांकन के समय मधुकोड़ा स्वयं उपस्थित रहे । तत्पश्चात चाईबासा लौटने के क्रम में उन्होंने पवन चौक पर अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष व भाजपा के वरीय नेता अशोक सारंगी से मिलकर उनका कुशल क्षेम जाना तथा राजनीति पर भी व्यापक रूप से चर्चा की। तत्पश्चात चाईबासा के लिए रवाना हो गये। पूर्व मुख्यमंत्री का चक्रधरपुर पहुंचना और अध्यक्ष पद के उम्मीदवार भाजपा प्रत्याशी के लिए माहौल बनाने की तैयारी भी काफी चर्चा में है। बताया जाता है कि भाजपा के बड़े नेता अशोक सारंगी भाजपा के उन वरीय नेताओं में शामिल हैं जिनकी राजनीति जनसंघ के समय से सशक्त रूप से पहचानी जाती है । संगठन के वह मजबूत स्तंभकार भी हैं।

अकीदत के साथ मनाई गई शब-ए-बारात

गुलाम शाहिद

रांची: शहर में शब-ए-बारात का पर्व मंगलवार रात पूरी अकीदत और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मस्जिदों और कब्रिस्तानों को रंग-बिरंगी रोशनियों से सजाया गया, जिससे पूरा माहौल रौनक से भर गया। बड़ी संख्या में लोगों ने मस्जिदों में पहुंचकर नफ्ल नमाज अदा की और अल्लाह से मगफिरत की दुआ मांगी।

शब-ए-बारात की रात लोग अपने बुजुर्गों की कब्रों पर पहुंचे, फूल चढ़ाया और फातिहा पढ़कर उनके लिए दुआ की। रातभर इबादत, तिलावत-ए-कुरआन और जिक्र का सिलसिला चलता रहा। महिलाओं ने घरों में विशेष पारंपरिक व्यंजन और मिठाइयां तैयार कीं, जिन्हें जरूरतमंदों और गरीबों में बांटा गया।

पर्व के दौरान शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए : रातू रोड कब्रिस्तान, डोरंडा कब्रिस्तान समेत शहर के तकरीबन सभी कब्रिस्तानों में लाइट लगायी गई थी। रात आठ बजे से ही लोगों की भीड़ कब्रिस्तानों में उमड़ पड़ी। मेन रोड एकरा मस्जिद, डोरंडा रहमत कॉलोनी मस्जिद, डोरंडा मजारवाली मस्जिद, दर्जी मुहल्ला समेत अन्य मस्जिदों को लाइट से सजाया गया था।बुधवार को रखे जाने वाले रोजे की सेहरी भी की। आज शब-ए-बारात के दूसरे दिन बुधवार को मुस्लिम समुदाय के लोग नफिल रोजा रखे हैं । साल में ऐसी कई रातें भी हैं जिसकी अहमियत है। इन रातों में इबादत का मकसद है कि मुसलमान सच्चा-पक्का इमानदार और परहेजगार मुसलमान बनकर जिंदगी गुजारे। उसकी जिंदगी दूसरों के लिए मिसाल हो।

प्रशासन भी सतर्क नजर आया। कहीं से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। शब-ए-बारात के अवसर पर शुक्रवार को लोग रोजा रखेंगे।

वार्ड 31 से बिनीता पाठक ने नामांकन किया दाखिल

रांची: काफी संख्या में अपने परिजनों, शुभचिंतकों और समर्थकों के साथ बिनीता पाठक ने आज वार्ड 31 से बतौर प्रत्याशी अपना नामांकन दाखिल किया। इस अवसर पर बिनीता पाठक जिंदाबाद,बिनीता तुम संघर्ष करो,हम तुम्हारे साथ हैं और वार्ड 31 की पहचान हैं,बिनीता पाठक हमारी शान हैं आदि गगनचुंबी गुंजायमान नारे लगाए गए। आज नामांकन दाखिल करने के पश्चात बिनीता ने अधिकारिक रुप से चुनावी समर का शंखनाद पूरी बुलंदी से कर दिया है। उनके आत्मविश्वास को आसमां की बुलंदियों पर बरकरार रखने हेतु प्रशांत गौरव,अध्यक्ष,चुटिया प्रखंड कांग्रेस समिति,दीपेश पाठक,प्रदेश उपाध्यक्ष,कोयलांचल स्टील कामगार यूनियन एवं अरुण चावला उपाध्यक्ष,रांची महानगर कांग्रेस सह चुटिया प्रखंड कांग्रेस समिति अपने कई साथियों के उपस्थित थे।

लंबी दूरी की ट्रेनों में खत्म होगी गंदे बेड रोल की शिकायत

रेलवे ने बदला बेड रोल सिस्टम, नई व्यवस्था लागू

रांची: एसी कोच में सफर करने वाले यात्रियों की सबसे बड़ी शिकायत गंदे या पहले से इस्तेमाल किए गए बेड रोल को लेकर रहती है। खासकर लंबी दूरी की ट्रेनों में यह परेशानी ज्यादा देखने को मिलती है। अब रेलवे ने इस समस्या का स्थायी समाधान निकाल लिया है, जिससे यात्रियों को साफ और स्वच्छ बेडशीट व कंबल मिल सकेंगे।

यात्रियों को साफ बेडशीट और कंबल मिलने में आसानी होगी : जी हां, लंबी दूरी की ट्रेनों में सफर करने वाले एसी यात्रियों को अब गंदे बेड रोल की शिकायत नहीं होगी। रेलवे ने नई व्यवस्था लागू करने का फैसला किया है, जिसके तहत ट्रेनों में दोनों ओर से बेड रोल चढ़ाए जाएंगे। पहले चरण में यह सुविधा देश की 42 ट्रेनों में शुरू की जा रही है। इनमें धनबाद से कोल्हापुर जाने वाली दीक्षाभूमि एक्सप्रेस भी शामिल है। अब तक ट्रेन के शुरू होने वाले स्टेशन (ओरिजनेटिंग स्टेशन) से ही पूरी यात्रा के लिए बेड रोल चढ़ा दिए जाते थे। इससे साफ और इस्तेमाल किए गए बेड रोल को अलग रखना मुश्किल हो जाता था। लंबी दूरी की ट्रेनों में यह समस्या और भी गंभीर हो जाती थी। नई व्यवस्था के तहत अब ट्रेन के शुरू होने वाले स्टेशन और गंतव्य स्टेशन, दोनों जगह से अलग-अलग बेड रोल चढ़ाए जाएंगे। इससे यात्रियों को साफ बेडशीट और कंबल मिलने में आसानी होगी। इस संबंध में रेलवे बोर्ड के डिप्टी डायरेक्टर (पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग मैनेजमेंट) दिनेश मोहन सिंह ने सभी जोनल रेलवे को आदेश जारी कर दिया है।

नई प्रीमियम ट्रेनों में भी लागू होगी व्यवस्था: रेलवे बोर्ड ने निर्देश दिया है कि भविष्य में शुरू होने वाली नई प्रीमियम ट्रेनों में भी इस व्यवस्था को लागू किया जा सकता है। इसके लिए संबंधित जोनल रेलवे को आपसी समन्वय करने को कहा गया है। साथ ही यात्रियों और बेड रोल बांटने वाले कर्मचारियों से समय-समय पर फीडबैक लेने और व्यवस्था की निगरानी करने के भी निर्देश दिए गए हैं। यह सुविधा इंटरकनेक्टेड ट्रेनों में भी लागू होगी। जैसे धनबाद-पटना-दुमका रूट पर चलने वाली गंगा-दामोदर एक्सप्रेस, धनबाद-पटना इंटरसिटी और पटना-सिंगरौली एक्सप्रेस। इन ट्रेनों में भी अब नई लीनन व्यवस्था लागू की जाएगी। देश की सबसे लंबी दूरी की ट्रेन डिब्रूगढ़-कन्याकुमारी विवेक एक्सप्रेस में इस नई व्यवस्था को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू किया गया है। यह ट्रेन 74 घंटे 20 मिनट में करीब 4155 किलोमीटर का सफर तय करती है। अब इस ट्रेन में डिब्रूगढ़ और कन्याकुमारी, दोनों ओर से बेड रोल की आपूर्ति की जा रही है, जिससे तीन दिन से ज्यादा की यात्रा करने वाले यात्रियों को साफ कंबल और बेडशीट मिल रही है।

इन ट्रेनों में भी लागू होगी नई व्यवस्था: रेलवे ने आसनसोल-गोंडा एक्सप्रेस, दादर-मैसूर एक्सप्रेस, लखनऊ-चंडीगढ़ एक्सप्रेस, जयनगर-नई दिल्ली स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस, ओखा-गुवाहाटी द्वारका एक्सप्रेस, कटिहार-अमृतसर आम्रपाली एक्सप्रेस, बालूरघाट-बठिंडा फरक्का एक्सप्रेस, बांद्रा-बरौनी अवध एक्सप्रेस और कामाख्या-उदयपुर सिटी कविगुरु एक्सप्रेस सहित कई अन्य ट्रेनों का चयन किया है, जहां यह सुविधा लागू की जाएगी।

जिला अभियंता का कार्यालय
जिला परिषद, रामगढ़

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सं० :– *ZP/RAMGARH/05/2025-26*

1.कार्य की विस्तृत विवरणी :–

2.मद –*15th Finance Health Sector*

क्र०	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मुल्य (रु०)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	Chitarpur	Construction of Health Sub Centre at Chitarpur East	55,50,000.00	1,11,000.00	10,000.00	12 (बारह) माह
2	Mandu	Construction of Health Sub Centre at Chhotki Dundi	55,50,000.00	1,11,000.00	10,000.00	12 (बारह) माह
3	Mandu	Construction of Health Sub Centre at Orla	55,50,000.00	1,11,000.00	10,000.00	12 (बारह) माह
4	Mandu	Construction of Health Sub Centre at Sondiha	55,50,000.00	1,11,000.00	10,000.00	12 (बारह) माह

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि – दिनांक 07.02.2026
2. ई–निविदा डालने / प्राप्ति की तिथि एवं समय– दिनांक 07.02.2026 से दिनांक 12.02.2026 अपराह्न 04:00 बजे तक।
3. निविदा खोलने की तिथि एवं समय– दिनांक – 13.02.2026 को अपराह्न 04:00 बजे।
4. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता– जिला अभियंता, जिला परिषद, रामगढ़।
5. ई–निविदा प्रकोष्ट का दुरभाष नं०– 9801557645
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
7. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई– भुगतान संवेदक द्वारा जिस बैंक खाता से किया जायेगा, उसी खाते मे अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर बैंक खाता को बंद कर दिया जाता है। तो उसकी सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
8. निविदा Double Bid पद्धति से होगा।
9. इस निविदा में जिला परिशद, रामगढ़ के अंतर्गत पंजीकृत समुचित श्रेणी के संवेदक भाग ले सकेंगे।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट Jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय के सूचनापट्ट पर देखा जा सकता है।

ह०/–
जिला अभियंता,
जिला परिषद, रामगढ़

PR 372241 District(25-26).D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

अमेरिकी टैरिफ कटौती में भारत से ज्यादा अमेरिका का हित

अंतरराष्ट्रीय व्यापार और कूटनीति में कई बार फैसले तत्काल फायदे से अधिक दूरगामी मजबूरियों का नतीजा होते हैं। अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर पारस्परिक टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करना भी ऐसा ही एक निर्णय है, जिसे सतही तौर पर भारत के पक्ष में बड़ी जीत माना जा रहा है, किंतु गहराई से देखने पर यह कदम अमेरिका के अपने घरेलू हितों, खासकर महंगाई से जूझते आम अमेरिकी उपभोक्ताओं को राहत देने की मजबूरी का परिणाम अधिक नजर आता है। दिलचस्प बात यह है कि इस पूरे घटनाक्रम में भारत का धैर्य, संतुलित कूटनीति और दीर्घकालिक सोच आखिरकार रंग लाती दिखाई दी है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका ने टैरिफ को एक राजनीतिक और रणनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल किया है। डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में ह्वअमेरिका फर्स्टह्ल की नीति के तहत चीन, वियतनाम, बांग्लादेश और यहां तक कि भारत जैसे मित्र देशों पर भी भारी शुल्क लगाए गए। उद्देश्य इसके पीछे जो दिखा, वह घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देना और आयात को महंगा कर अमेरिकी उद्योगों को संरक्षण देना रहा लेकिन व्यवहार में इसका असर उल्टा पड़ा। ऊंचे टैरिफ का सीधा बोझ अमेरिकी उपभोक्ताओं पर पड़ा, महंगाई बढ़ी और सप्लाई चेन में अस्थिरता आई। आज जब अमेरिकी अर्थव्यवस्था महंगाई के दबाव से कराह रही है, तब ट्रंप प्रशासन को यह समझमें आया कि टैरिफ की यह आक्रामक नीति लंबे समय तक टिकाऊ नहीं है।

कहना होगा कि यहीं से भारत के प्रति अमेरिकी रुख में बदलाव होता हुआ दिखता है। भारतीय उत्पादों पर टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत करना आज भारत से अधिक अमेरिकी बाजार में कीमतों को काबू में रखने की एक व्यावहारिक कोशिश भी है। भारत से आने वाले टेक्सटाइल, फार्मा, ऑटो पार्ट्स, केमिकल और आईटी सेवाएं अमेरिकी उपभोक्ताओं और उद्योगों के लिए अहम हैं। इन पर ऊंचा शुल्क अमेरिकी कंपनियों की लागत बढ़ाता था, जिसका असर सीधे उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर पड़ता था। ऐसे में टैरिफ कटौती अमेरिका के लिए अपनी ही अर्थव्यवस्था को राहत देने का रास्ता बन गई।

वैश्विक तुलना करें तो भारत की स्थिति अब कहीं अधिक मजबूत नजर आती है। नए टैरिफ ढांचे में भारत पर 18 प्रतिशत शुल्क है, जबकि इंडोनेशिया पर 19, वियतनाम और बांग्लादेश पर 20 और चीन पर 34 प्रतिशत टैरिफ लागू है। यह अंतर वैश्विक निर्यात प्रतिस्पर्धा में बड़ा बदलाव है। अमेरिकी आयातक स्वाभाविक रूप से कम शुल्क वाले देशों से खरीद बढ़ाने की कोशिश करेंगे और इस दौड़ में भारत अब अपने एशियाई प्रतिद्वंद्वियों से आगे खड़ा दिखेगा। यह बढ़त भारत की मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात रणनीति के लिए बेहद अहम कही जा सकती है।

इस फैसले का एक महत्वपूर्ण पहलू ऊर्जा और भू-राजनीति से जुड़ा है। रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर भारत पर लगाया गया अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ हटाया जाना इस बात का संकेत है कि अमेरिका व्यापार नीति को रणनीतिक लक्ष्यों से जोड़कर देख रहा है। अमेरिका के लिए यह फैसला रूस पर दबाव बढ़ाने और अपने सहयोगियों को एकजुट रखने की रणनीति का हिस्सा है, जबकि भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता में रखते हुए संतुलित रुख अपनाया हुआ है।

यहां भारत का धैर्य विशेष रूप से उल्लेखनीय है। रूस-युक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने सस्ते रूसी तेल की खरीद बढ़ाई, क्योंकि उसकी ऊर्जा जरूरतें और घरेलू अर्थव्यवस्था इसकी मांग करती थीं। पश्चिमी देशों के कई दबाव आते रहे, बावजूद भारत ने स्पष्ट किया कि ऊर्जा संबंधी फैसले राष्ट्रीय हित और बाजार परिस्थितियों के आधार पर होंगे। यही धैर्य और आत्मविश्वास अंततः भारत के पक्ष में अब आता हुआ दिखता है। पहले भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) का मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) और अब अमेरिका का खुद यह स्वीकार करना कि टैरिफ नीति में लचीलापन जरूरी है, आज यह साबित करता है कि जल्दबाजी के बजाय भारत द्वारा संतुलित कूटनीति उसके पक्ष में कितनी प्रभावी रही है।

इस व्यापार समझौते का सीधा प्रतिबिंब भारतीय शेयर बाजार में देखने को मिला, जहां समझौते के बाद सेंसेक्स और निफ्टी में ऐतिहासिक तेजी दर्ज की गई। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी जबरदस्त उछाल दिखा है। ऑटो, आईटी, फार्मा, बैंकिंग और मेटल जैसे सेक्टर्स में निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। यह बाजार प्रतिक्रिया इस बात का संकेत है कि निवेशक इस फैसले को भारत की मध्यम अवधि की आर्थिक वृद्धि के लिए सकारात्मक मान रहे हैं।

एक्सिस सिक्योरिटीज जैसी संस्थाओं की रिपोर्ट भी यही कहती है कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता चालू खाते के घाटे को कम करने, रुपये को स्थिर रखने और बाहरी झटकों के प्रति भारत की संवेदनशीलता घटाने में मदद करेगा। बेहतर बाजार पहुंच और टैरिफ में स्थिरता से निर्यात बढ़ेगा, मैन्युफैक्चरिंग में निवेश आएगा और एफडीआई को मजबूती मिलेगी। खासकर वे सेक्टर, जिनकी अमेरिकी बाजार में मजबूत मौजूदगी है, उन्हें दीर्घकालिक लाभ मिलने की संभावना है।

इसके साथ ही यहां जो अभी सिर्फ भारत के हित में निर्णय को मान रहे हैं, उन?हें समझना होगा कि ये निर्णय भारत से ज्यादा अमेरिका के अपने हित में है, क?योंकि अमेरिका इस समय महंगाई और आर्थिक दबाव से गुजर रहा है, उसमें सस्ते और भरोसेमंद आयात के लिए भारत एक बड़ा, स्थिर और भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता है। टैरिफ घटाकर अमेरिका ने अपने उपभोक्ताओं को राहत दी है, वो सप्लाई चेन को भी स्थिर करना चाह रहा है और चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह रणनीतिक रूप से अमेरिका के लिए बेहद जरूरी है।

भारत के लिए यह फैसला किसी एकतरफा रियायत से अधिक उसकी लगातार बढ़ती वैश्विक भूमिका की स्वाभाविक परिणति है। ह्वमेड इन इंडियाह्ल, पीएलआई स्कीम, निर्यात बढ़ाने की नीति और बहुपक्षीय कूटनीति ने भारत को उस मुकाम पर पहुंचाया है, जहां दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं उसके साथ साझेदारी को मजबूरी नहीं, अवसर के रूप में देख रही हैं।

ऐसे में कहना यही होगा कि अमेरिका द्वारा टैरिफ घटाने का निर्णय एक अच्छा और व्यावहारिक फैसला है, इसके माध?यम से अमेरिका अपने नागरिकों को महंगाई की आग से बचाने की कोशिश में सफल हो सकता है। भारत के लिए यह पूरी तरह हितकारी है। निश?चित ही ये निर्णय भारत के धैर्य, संतुलन और दीर्घकालिक सोच की जीत है। सच ही कहा गया है कि जब आप धैर्य बनाए रखते हैं तब उस स?थि?ति में अंततः समय अपना परिणाम धैर्यवान के पक्ष में ही देता है। फिलहाल अमेरिका-भारत टैरिफ प्रकरण में आज यही सच्चाई सामने खड़ी नजर आती है।

कैंसर मौन महामारी, जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव

बढ़ते प्रदूषण तथा पोषक खानपान के अभाव में यह बीमारी महामारी के रूप में तेजी से फैल रही है। भारत में तो कैंसर के करीब दो तिहाई मामलों का बहुत देर से पता चलता है और कई बार तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है ।

योगेश कुमार गोयल

लोगों को कैंसर होने के संभावित कारणों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 4 फरवरी को ह्वविश्व कैंसर दिवसह्ल मनाया जाता है। दरअसल, आज भी लगभग सभी लोगों के लिए कैंसर ऐसा शब्द है, जिसे अपने किसी परिजन के लिए डॉक्टर के मुंह से सुनते ही परिवार के तमाम सदस्यों की सांसें गले में अटक जाती हैं और पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। ऐसे में परिजनों को परिवार के उस अभिन्न अंग को सदा के लिए खो देने का डर सताने लगता है। बढ़ते प्रदूषण तथा पोषक खानपान के अभाव में यह बीमारी महामारी के रूप में तेजी से फैल रही है। भारत में तो कैंसर के करीब दो तिहाई मामलों का बहुत देर से पता चलता है और कई बार तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है और कैंसर से मौतों का आंकड़ा साल-दर-साल निरंतर बढ़ रहा है। प्रतिवर्ष कैंसर पीड़ित लाखों मरीज मौत के मुंह में समा जाते हैं।

कुछ वर्ष पूर्व तक कैंसर को लाइलाज रोग माना जाता था लेकिन कुछ वर्षों में कैंसर के उपचार की दिशा में क्रांतिकारी खोजें हुई हैं। जिसका नतीजा है कि अगर समय रहते कैंसर की पहचान कर ली जाए तो उसका उपचार किया जाना काफी हद तक संभव हो जाता है। कैंसर के संबंध में यह समझ लेना बेहद जरूरी है कि यह बीमारी किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकती है किन्तु अगर इसका सही समय पर पता लग जाए तो लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी का उपचार अब संभव है। यही वजह है कि देश में कैंसर के मामलों को कम करने के लिए कैंसर तथा उसके कारणों के प्रति लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि वे इस बीमारी, इसके लक्षणों और इसके भयावह खतरे के प्रति जागरूक रहें।

कैंसर से लड़ने का सबसे बेहतर और मजबूत तरीका यही है कि लोगों में इसके प्रति जागरूकता हो, जिसके चलते जल्द से जल्द इस बीमारी की पहचान हो सके और शुरूआती चरण में ही इसका इलाज संभव हो। यदि कैंसर का पता शीघ्र लगा लिया जाए तो उसके उपचार पर होने वाला खर्च काफी कम हो जाता है। यही वजह है कि जागरूकता के जरिये इस बीमारी को शुरूआती दौर में ही पहचान लेना बेहद जरूरी माना गया है क्योंकि ऐसे मरीजों के इलाज के बाद उनके स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जीने की संभावनाएं काफी ज्यादा होती हैं। हालांकि देश में कैंसर के इलाज की तमाम सुविधाओं के बावजूद अगर हम इस बीमारी पर लगाम लगाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो इसके पीछे इस बीमारी का इलाज महंगा होना सबसे बड़ी समस्या है। वैसे देश में जांच सुविधाओं का अभाव भी कैंसर के इलाज में बड़ी बाधा है, जो बहुत से मामलों में इस बीमारी के देर से पता चलने का एक अहम कारण होता है।

यह जानना भी बहुत जरूरी है कि ह्वकैंसरह्ल आखिर है क्या? जब हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है तो शरीर पर विभिन्न प्रकार की बीमारियां हमला करना शुरू कर देती हैं। ऐसी परिस्थितियों में कई बार शरीर की कोशिकाएं अनियंत्रित होकर अपने आप तेजी से विकसित और विभाजित होने लगती हैं। कोशिकाओं के समूह की इस अनियंत्रित वृद्धि को ही कैंसर कहा जाता है। जब ये कोशिकाएं टिश्यू को प्रभावित करती हैं तो कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैलने लगता है और कैंसर की यह स्थिति बहुत घातक हो जाती है।

दुनिया भर में कैंसर से लड़ने और इसे हराने के लिए निरन्तर चिकित्सीय खोजें हो रही हैं और इन प्रयासों के चलते ही अब कैंसर का शुरूआती चरणों में तो सफल इलाज संभव भी है। अगर शरीर में कैंसर होने के कारणों की बात की जाए तो इसके कई तरह के कारण हो सकते हैं लेकिन अक्सर जो प्रमुख कारण माने जाते रहे हैं, उनमें मोटापा, शारीरिक सक्रियता का अभाव, व्यायाम न करना, ज्यादा मात्रा में अल्कोहल व नशीले पदार्थों का सेवन, पौष्टिक आहार की कमी इत्यादि इन कारणों में शामिल हो सकते हैं। कभी-कभार ऐसा भी होता है कि कैंसर के कोई भी लक्षण नजर नहीं आते किन्तु किसी अन्य बीमारी के इलाज के दौरान कोई जांच कराते वक्त अचानक पता चलता है कि मरीज को कैंसर है लेकिन फिर भी कई ऐसे लक्षण हैं, जिनके जरिये अधिकांश व्यक्ति कैंसर की शुरूआती स्टेज में ही पहचान कर सकते हैं।

कैंसर के लक्षणों में कुछ प्रमुख हैं- वजन का घटते जाना, शरीर में रक्त की कमी, निरन्तर बुखार बने रहना, शारीरिक थकान व कमजोरी, चक्कर आना, उल्टी होना, दौरे पड़ना, आवाज में बदलाव, सांस लेने में दिक्कत, खांसी के दौरान खून आना, लंबे समय तक कफ रहना और कफ के साथ म्यूकस आना, कुछ भी निगलने में दिक्कत होना, पेशाब और शौच के समय खून आना, शरीर के किसी भी हिस्से में गांठ या सूजन होना, माहवारी के दौरान अधिक स्राव होना इत्यादि।

कीमोथैरेपी, रेडिएशन थैरेपी, बायोलॉजिकल थैरेपी, स्टेम सेल ट्रांसप्लांट इत्यादि के जरिये कैंसर का इलाज होता है किन्तु यह प्रायः इतना महंगा होता है कि एक गरीब व्यक्ति इतना खर्च उठाने में सक्षम नहीं होता। इसलिए जरूरत इस बात की महसूस की जाती रही है कि कैंसर के सभी मरीजों का इलाज सरकारी अस्पतालों में हो या निजी अस्पतालों में, सरकार ऐसे मरीजों के इलाज में यथासंभव आर्थिक सहयोग करे क्योंकि जिस तेजी से देश में कैंसर मरीजों की संख्या बढ़ रही है, उसे देखते हुए केवल सरकारी अस्पतालों के भरोसे कैंसर मरीजों के इलाज की कल्पना बेमानी होगी। इसके अलावा सबसे ज्यादा जरूरी यही है कि कैंसर को लेकर समाज में बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान चलाएं जाएं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

शैक्षणिक परिदृश्य में सकारात्मक बदलाव का बजट

विकसित भारत-2047 की मजबूत नींव रखने वाला कदम माना जा रहा है। यह राशि कुल बजट व्यय का लगभग 2.6 प्रतिशत है, जो पिछले वर्ष के बजट अनुमान से 8.27 प्रतिशत अधिक है तथा शिक्षा मंत्रालय के लिए अब तक का सर्वाधिक आवंटन है। हालांकि, यह धनराशि एनईपी-राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्य (शिक्षा पर जीडीपी का 6 प्रतिशत व्यय) से काफी कम है

डॉ. अवधेश कुमार यादव

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत 2026-27 के संघीय बजट में शिक्षा क्षेत्र के लिए कुल 1,39,289.48 करोड़ का अनुमानित प्रावधान किया गया है, जो विकसित भारत-2047 की मजबूत नींव रखने वाला कदम माना जा रहा है। यह राशि कुल बजट व्यय का लगभग 2.6 प्रतिशत है, जो पिछले वर्ष के बजट अनुमान से 8.27 प्रतिशत अधिक है तथा शिक्षा मंत्रालय के लिए अब तक का सर्वाधिक आवंटन है। हालांकि, यह धनराशि एनईपी-राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्य (शिक्षा पर जीडीपी का 6 प्रतिशत व्यय) से काफी कम है लेकिन वृद्धि मुद्रास्फीति से ऊपर होने के कारण एनईपी के क्रियान्वयन, विशेषकर अनुसंधान, नवाचार, स्किलिंग तथा शिक्षा-रोजगार संबंध स्थापित करने के क्षेत्रों में गति प्रदान करेगी। इस कुल आवंटन को शिक्षा मंत्रालय के दो प्रमुख विभागों में विभाजित किया गया है। पहला- स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को 83,562.26 करोड़ (6.35 प्रतिशत की वृद्धि) और दूसरा- उच्च शिक्षा विभाग को 55,727.22 करोड़ (11.28 प्रतिशत की वृद्धि)। यह वृद्धि एनईपी के मूल सिद्धांतों- पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य तथा जवाबदेही को सशक्त बनाती है, जहां शिक्षा को बहु-विषयी, लचीली, कौशल-आधारित और समावेशी बनाने पर बल दिया गया है। स्कूल शिक्षा में अब तक का सर्वोच्च आवंटन एनईपी के प्रारंभिक से माध्यमिक स्तर तक की एकीकृत शिक्षा को मजबूत करता है। समग्र शिक्षा अभियान को 42,100 करोड़ प्राप्त हुए हैं, जो पूर्व-प्राथमिक से कक्षा 12 तक निरंतर शिक्षा, बुनियादी ढांचा विकास, शिक्षक प्रशिक्षण तथा डिजिटल क्लास रूम पर केंद्रित है। पीएम पोषण योजना को 12,750 करोड़ मिले हैं, जो 11 करोड़ से अधिक बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराकर उपस्थिति बढ़ाती है और कुपोषण घटाती है, जो एनईपी के समग्र विकास लक्ष्य से संरेखित है। केंद्रीय विद्यालय संगठन को 10,129 करोड़ तथा नवोदय विद्यालय समिति को 6,025 करोड़ आवंटित किए गए हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देते हैं।

नवाचार को स्कूल स्तर पर एकीकृत करने के लिए अटल टिंकरिंग लैब्स को 3,200 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जो पिछले वर्ष के 500 करोड़ से उल्लेखनीय छह गुना वृद्धि है। ये लैब्स छात्रों में वैज्ञानिक सोच विकसित करती हैं तथा साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) आधारित प्रोजेक्ट्स पर कार्य करती हैं, जिससे ड्रॉपआउट दर घटेगी और विज्ञान में रुचि बढ़ेगी। एनईपी के डिजिटल एवं क्रिएटिव शिक्षा फोकस को देखते हुए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज, मुंबई के सहयोग से 15,000 माध्यमिक स्कूलों तथा 500 कॉलेजों में एवीजीसी (एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स) कंटेंट क्रिएटर लैब्स स्थापित की जाएंगी। यह ह्वऑरेंज इकोनॉमीह्ल को मजबूत करेगा तथा छात्रों को प्रारंभिक स्तर से अनुसंधान-आधारित क्रिएटिव प्रोजेक्ट्स में शामिल करेगा।

उच्च शिक्षा में एनईपी का बहु-विषयी तथा अनुसंधान-उन्मुख दृष्टिकोण प्रमुख है। केंद्रीय विश्वविद्यालयों को 17,440 करोड़ तथा यूजीसी को 3,709 करोड़ प्राप्त हुए हैं। आईआईटी, एनआईटी तथा आईआईएम जैसे संस्थानों के लिए बढ़ा फंड एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पर केंद्रित है, जिसमें एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए 250 करोड़ तथा एआई इन एजुकेशन पहल के लिए 100 करोड़ का प्रावधान है। यह उभरती तकनीकों के एकीकरण को मजबूत करेगा। पीएम रिसर्च फेलोशिप को 10,000 स्कॉलर्स तक विस्तारित किया गया है, जो युवा शोधकर्ताओं को वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। पीएम रिसर्च चेयर योजना के लिए 200 करोड़ तथा पीएम वन नेशन-वन सब्सक्रिप्शन योजना को 2,200 करोड़ मिले हैं, जो शोध पत्रों तथा जर्नल्स तक केंद्रीकृत पहुंच सुनिश्चित करेगी तथा वैश्विक स्तर के अनुसंधान को समर्थन देगी।

एनईपी में अनुसंधान एवं विकास पर जीडीपी का कम से कम 1 प्रतिशत व्यय तथा एनआरएफ (राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन) के माध्यम से मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च को बढ़ावा देने का प्रावधान है। इस बजट में उच्च शिक्षा में अनुसंधान आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि से यह लक्ष्य निकट आता दिखता है। पांच यूनिवर्सिटी टाउनशिप्स की स्थापना (औद्योगिक गलियारों के निकट विश्वविद्यालय, रिसर्च संस्थान, स्किल सेंटर तथा आवासीय सुविधाओं के साथ) इंडस्ट्री-एकेडमिया लिंकेज को मजबूत करेगी, जहां संयुक्त प्रोजेक्ट्स जैसे एआई, बायोटेक्नोलॉजी तथा सस्टेनेबल डेवलपमेंट पर कार्य होगा। हर जिले में एक गर्ल्स हॉस्टल की स्थापना (कैपिटल सपोर्ट से), एसटीईएम में लड़कियों की भागीदारी बढ़ाएगी, जहां वर्तमान दर अपेक्षाकृत कम है तथा एनईपी की लैंगिक समानता तथा अनुसंधान में महिलाओं की भूमिका को सशक्त बनाएगी।

नए संस्थानों में तीन नए एनआईपीईआर (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च), पूर्वी भारत में एक नया नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी का अपग्रेड एनईपी के बहु-विषयी तथा व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देंगे। एनआईपीईआर फार्मास्यूटिकल रिसर्च पर फोकस करेंगे, जो बायोफार्मा तथा ड्रग डिस्कवरी में भारत को वैश्विक नेता बनाने की दिशा में सहायक होंगे। ह्वएजुकेशन टू एम्प्लॉयमेंट एंड एंटरप्राइजह्ल की हाई-पावर्ड स्टैंडिंग कमिटी गठित होगी, जो शिक्षा को सेवाओं क्षेत्र (10 प्रतिशत वैश्विक हिस्सेदारी लक्ष्य) तथा उभरती स्किल्स से जोड़ेगी तथा एआई के प्रभाव का मूल्यांकन करेगी।

अन्य क्षेत्रों में 100,000 एलाइड हेल्थ प्रोफेशनल्स जोड़ना, तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, वेटरनरी शिक्षा के लिए सब्सिडी तथा खेलो इंडिया मिशन के तहत स्पोर्ट्स साइंस एनईपी के स्वास्थ्य, पर्यटन तथा खेल शिक्षा को मजबूत करेंगे, जहां अनुसंधान जैसे स्पोर्ट्स साइंस में बायोमैकेनिक्स तथा पोषण पर फोकस होगा। एम्स, नई दिल्ली को 5,500.92 करोड़ तथा एनआईएमएचएएनएस-2 की स्थापना मेन्टल हेल्थ रिसर्च को बढ़ावा देगी। यह बजट शिक्षा व्यवस्था के मौजूदा परिदृश्य को सकारात्मक रूप से बदलने वाला है क्योंकि यह एनईपी के विभिन्न स्तंभों- अनुसंधान एकीकरण, समावेशिता, कौशल विकास तथा रोजगार-उन्मुखीकरण को एक साथ मजबूत करता है।

अंग के अलोप से आस्था का आलोक

ह देश में शक्तिपीठों को जीवंत तीर्थ की मान्यता सनातन समाज अनादि काल से देता आ रहा है। देवी पुराण के अनुसार भारतीय उपमहाद्वीप के भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और तिब्बत में कुल 51 शक्तिपीठ है। यद्यपि कुछ विद्वान कतिपय धर्म ग्रंथों के आधार पर इन शक्तिपीठों की संख्या को 52 बताते हैं। प्रयागराज में भी तीन शक्तिपीठों की मान्यता है, जिसमें अलोपशंकरी देवी भी शामिल हैं, जिन्हें समाज में अलोपी देवी या मनोकामना सिद्धि देवी के रूप में मान्यता प्राप्त है।

पौराणिक कथा के अनुसार ब्रह्मा के पुत्र राजा दक्ष की पुत्री सती ने अपने पिता की मर्जी के विरुद्ध भगवान शिव से विवाह किया था। राजा दक्ष शिव को श्मशानवासी, भस्म लगाने वाला, अजीब-गरीब पोशाक वाला अघोरी मानते थे। इसलिये वह दामाद के रूप में भगवान शिव को स्वीकार नहीं कर पाये थे। एक बार राजा दक्ष ने एक विशाल यज्ञ का आयोजन किया, जिसमें सभी देवी-देवताओं, ऋषियों-मुनियों और राजा-महाराजाओं को आमंत्रित किया लेकिन भगवान शिव और अपनी पुत्री सती को निमंत्रित नहीं किया। सती को जब यह बात पता चली तो वह पिता मोह और धार्मिक कार्यक्रम में बिना निमंत्रण जाने के लिए भगवान शिव से अनुमति मांगी। भगवान शिव ने उन्हें मना किया और कहा कि यह यज्ञ उन्हें अपमानित करने के लिए किया जा रहा है इसलिये जाना उचित नहीं होगा। सती जाने की जिद पर अड़ी रहीं। भगवान शिव ने उनके हठ को देखकर पिता के घर यज्ञ में जाने की अनुमति दे दी। सती जब अपने पिता के घर पहुंची तो किसी ने उनका स्वागत-सम्मान नहीं किया। सभी के सामने राजा दक्ष ने उनके पति भगवान शिव के लिए बहुत अपमानजनक शब्द कहे और उन्हें यज्ञ में शामिल होने के अयोग्य बताया। अपने साथ-साथ पति के लिए कहे गये अपमानजनक शब्दों से सती को बहुत ग्लानि हुई। अपमान से दुखी सती ने यज्ञ के लिए बने हवन कुंड में कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

अंग अलोप से अलोपशंकरी

पत्नी सती की मृत्यु का समाचार मिलते ही भगवान शिव क्रोध में आ गये। सती का शव कुंड से निकाल कर तांडव शुरू कर दिया। तीनों लोक में हाहाकार मच गया। सृष्टि बचाने के लिए लोग भगवान विष्णु की शरण में गये तो उन्होंने अपने सुदर्शन चक्र से सती के शव के टुकड़े-टुकड़े कर दिये। चक्र के प्रहार से शरीर के टुकड़े कट कर पृथ्वी पर गिरते गये। यह टुकड़े पृथ्वी पर जिन स्थानों पर गिरे वह शक्तिपीठ कहलाये। प्रयागराज में शक्तिपीठ अलोपशंकरी के बारे में कहा जाता है कि इस स्थान पर देवी सती के दाहिने हाथ का पंजा गिरा था लेकिन वह पंजा गिरने के बाद अदृश्य हो गया। इसी आधार पर इस पावन स्थल का नाम अलोपी (अदृश्य) पड़ा। यहां स्थापित देवी सती का मंदिर अलोपशंकरी, आलोपी मंदिर जैसे प्रमुख नामों से विख्यात है। यहां देवी सती का अंग अदृश्य हो जाने के कारण इस मंदिर में देवी सती की न कोई मूर्ति है और न ही उनसे जुड़ा कोई प्रतीक चिन्ह। मंदिर के गर्भगृह में लकड़ी का एक पालना है, जिसकी श्रद्धालु पूजा करते हैं।

टिप्स

महाशिवरात्री में कमजोरी होगी दूर

हिंदू धर्म में महाशिवरात्रि व्रत बेहद अहम व्रत माना जाता है। महाशिवरात्रि पर्व को बड़ी श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया जाता है। इस खास पर्व पर लोग व्रत करते हैं और भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते हैं। हालांकि व्रत में भोजन की कमी और उपवास की वजह से हमारे शरीर में ऊर्जा की कमी महसूस हो सकती है। ऐसे में अगर व्रत के दौरान सही डाइट ली जाए, तो आप पूरी तरह से ऊर्जावान महसूस कर सकते हैं और साथ ही सही ढंग से व्रत का पालन भी कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको 5 तरह के ऐसे फूड्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको खाकर आप थकान और कमजोरी से बच सकते हैं।

ताजे फल : व्रत के दौरान आप ताजे फलों का भी सेवन कर सकते हैं। यह आपके शरीर को फौरन ऊर्जा प्रदान करता है। आप केला, संतरा, सेब, अंगूर और पपीता आदि खा सकते हैं। यह न सिर्फ आपको ऊर्जा देते हैं, बल्कि इन फलों में विटामिन्स और मिनरल्स की भी भरपूर मात्रा पाई जाती है। जो ताजगी बनाए रखने में मदद करती है।

नट्स और बीज : आप व्रत में ताजे फलों के अलावा बीज और नट्स जैसे अखरोट, काजू, बादाम, मूंगफली और चिया सीड्स खा सकते हैं। इससे आपके शरीर को एनर्जी मिलती है। यह प्रोटीन और हेल्दी फैट्स से भरपूर होते हैं, जो आपके शरीर को पूरा दिन सक्रिय रखते हैं। वहीं नट्स और बीज का सेवन करने से मस्तिष्क की कार्यक्षमता भी बेहतर होती है।

आलू : व्रत के दौरान आलू का सेवन करना एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। यह कार्बोहाइड्रेट्स का एक अच्छा स्त्रोत है। जोकि शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है। आप व्रत में आलू को उबालकर या फिर हल्का सा सेंककर खा सकते हैं। आलू में फाइबर और पोटैशियम भी पाया जाता है, जो शरीर की थकान को दूर करने में सहायता करता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनीं जनता की समस्याए, त्वरित समाधान का दिया निर्देश

संवाददाता

साहिबगंज: उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी-अपनी समस्याएं उपायुक्त के समक्ष रखीं। उपायुक्त ने सभी शिकायतकर्ताओं से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी समस्याएं गंभीरता से सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया। जनता दरबार के दौरान विभागों से संबंधित अनेक शिकायतें उपायुक्त के समक्ष प्रस्तुत की गईं। उपायुक्त हेमंत सती ने मौके पर ही संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सभी प्राप्त आवेदनों की भौतिक जांच कर शीघ्र निष्पादन

सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि किसी भी शिकायत को अनदेखा नहीं किया जाएगा और हर नागरिक को समयबद्ध एवं पारदर्शी समाधान उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।

उपायुक्त ने विशेष रूप से सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायतों के निष्पादन उपरांत उसकी रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय को अनिवार्य रूप से समर्पित करें। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़ी समस्याओं के समाधान में लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण और त्वरित होना चाहिए ताकि आमजन को राहत मिल सके।ज्ञात हो कि साहेबगंज जिले में प्रत्येक सप्ताह मंगलवार एवं शुक्रवार को समाहरणालय में जनता दरबार आयोजित किया जाता है। जिसमें जिलेवासी अपनी समस्याएं सीधे उपायुक्त के समक्ष रख सकते हैं। इस पहल से प्रशासन और आम जनता के बीच संवाद मजबूत हुआ है। और शासन की योजनाएं जमीनी स्तर तक पहुंच रही हैं।

अध्यक्ष पद के प्रत्याशी बुढ़ो पासवान ने किया नामांकन

चुनाव में जनता का आशीर्वाद मिला तो शहर को सजाने और संवारने का काम करूंगा: रविंद्र पासवान

संवाददाता

साहिबगंज: नगर निकाय चुनाव म भाग्य आजमाने को ले अध्यक्ष तथा वार्ड पार्षद के प्रत्याशी अपना अपना नामांकन करने में लगे हैं।नामांकन के साथी साथ ही चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। नामांकन के चौथे दिन कई प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। इसी क्रम में मंगलवार को पोखरिया निवासी रविंद्र पासवान उर्फ (बूड़ो पासवान) अपने समाहरणालय स्थित निर्वाचि पदाधिकारी गौतम कुमार भगत के समक्ष अपने समर्थकों के साथ नामांकन पत्र भरा।नामांकन के बाद अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रविंद्र पासवान(बूड़ो पासवान)ने कहा कि यदि चुनाव में जनता का आशीर्वाद मिला तो शहर को सजाने और संवारने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि शहर में कई प्रकार की समस्याएं हैं। जिसमें शहर की साफ सफाई,बिजली व्यवस्था,शहर को सजाने संवारने का काम शामिल है। सभी समस्याओं का निदान करेंगे। जनता जिस विश्वास से हमें आशीर्वाद देने का काम करेगा उनके आशा पर पूर्ण रूप से खरा उतारने का काम करेंगे।

न्यूज IN ब्रीफ

वार्ड नंबर 22 से गोपाल यादव ने किया नामांकन, कहा जनता का मिल रहा है आपार समर्थन

साहिबगंज : नगर परिषद चुनाव अब निर्णायक चरण की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। मंगलवार को वार्ड नंबर 22 से प्रत्याशी गोपाल यादव भव्य नामांकन रैली निकालकर अपनी मजबूत दावेदारी पेश की।

समर्थकों,शुभचिंतकों,युवाओं की बड़ी भागीदारी के बीच उन्होंने शक्ति प्रदर्शन करते हुए निवार्ची पदाधिकारी के समक्ष नामांकन दाखिल किया।मौके पर गोपाल यादव ने कहा कि जनता का आशीर्वाद व मतदाता का साथ मेरे साथ है। मुझे पूरा विश्वास है कि इस बार जनता मुझे वार्ड परिषद पद पर सेवा करने का मौका देगी।कहा कि जनता की समस्याएं ही उनका एजेंडा हैं और वही उनकी प्राथमिकता रहेंगी।कहा कि वे उन्होंने हमेशा जनता के हित में काम किया और बिना किसी भेदभाव के साथ किया है।मौके पर मनीष यादव,गोलू यादव,गोपाल यादव,कैलाश यादव,कुंदन गोंड,मनोज कुमार,दिलीप यादव सहित कई लोग मौजूद थे।

अनिल मुंडा ने वार्ड 26 से बार्ड प्रत्याशी के रूप मे किया नामांकन

साहिबगंज:नगर परिषद के वार्ड संख्या 26 से वार्ड सदस्य प्रत्याशी अनिल मुंडा ने मंगलवार को निवार्ची पदाधिकारी के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।नामांकन के बाद अनिल मुंडा ने कहा कि यदि जनता ने उन्हें जीत दिलाई तो वे वार्ड की सभी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने का अथक प्रयास करेंगे।उन्होंने बताया कि वार्ड में साफ-सफाई,बुनियादी सुविधाओं के विकास सहित अन्य जनसमस्याओं के समाधान पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।इस मौके पर धर्मो रिकासन,राहुल राय,गोविंद,पोरो देवी, मुनिया देवी,छतिया देवी सहित कई समर्थक उपस्थित रहे।

पहाड़िया समुदाय के लोगों के बेहतर स्वास्थ्य सेवा के लिए ओपीडी सेवा शुरू

साहिबगंज: जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए उपायुक्त हेमंत सती ने पहल की है। इस पहल से अब आदिम जनजाति, पहाड़िया समुदाय के लोगों का स्वास्थ्य बेहतर होगा। इस दिशा में उक्त गांव में हर दिन ओपीडी चलाने का आदेश दिया गया है। हर एम्बुलेंस में जीपीएस सिस्टम लगाने का आदेश भी दिया गया है, ताकि पता चल सके कि वाहन उक्त गांव में पहुंचा है या नहीं। इसकी रिपोर्ट हर दिन नोडल पदाधिकारी आयुष के आतिश कुमार को दी जाएगी।

जानकारी देते डीसी हेमंत सती डीसी ने एम्बुलेंस का किया भौतिक सत्यापन

इसके साथ ही जिला कंट्रोल रूम से इसकी निगरानी की जाएगी। जिले भर की सभी एम्बुलेंस को बुलाकर भौतिक सत्यापन किया गया। ओपीडी एंबुलेंस, कार्डियो एंबुलेंस तथा पीएम जनमन योजना के अंतर्गत संचालित मोबाइल यूनिट एंबुलेंस की गहनता से जांच की गई। इस दौरान उपायुक्त ने सभी एंबुलेंस की तकनीकी स्थिति, उपलब्ध चिकित्सीय उपकरण, साफ-सफाई एवं संचालन व्यवस्था की समीक्षा की और आयुष्मान योजना से एम्बुलेंस की कमी को पूरा करने का आदेश दिया गया।

पहाड़िया समुदाय को मिलेगी गांव में ओपीडी सेवा

निरीक्षण के दौरान सभी एंबुलेंस के रूट चार्ट की जानकारी भी ली गई। जिला स्वास्थ्य विभाग एवं उपायुक्त के आदेश के बाद रेस हो चुकी है। अब गरीब पहाड़िया को गांव में ही ओपीडी की सेवा मिलने से राहत मिलेगी। गौरतलब है कि जिला एम्बुलेंस की घोर कमी से जूझ रहा है। एक तरफ 108 सेवा से संचालित एम्बुलेंस है, जिसे टॉल फ्री नंबर कॉल करने से मरीज को सेवा मिलती है। जिला स्वास्थ्य विभाग के पास भी एम्बुलेंस की कमी है। करीब 14 में 8 एम्बुलेंस वर्तमान में संचालित है। जन-मन योजना से तीन वाहन चलाई जा रही है। एक कार्डियो एम्बुलेंस ठीक कराकर मंगवाई गई है।

कोडरमा के परसाबाद बाजार में तनाव, ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

कोडरमा : जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत परसाबाद मुख्य बाजार में बीती रात प्रतिबंधित मांस और उसके अवशेष मिलने से क्षेत्र में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परसाबाद सहित आसपास के गांवों के ग्रामीणों ने इस कृत्य के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर परसाबाद बाजार से गुजरने वाली मुख्य सड़क को घंटों जाम रखा। ग्रामीणों का कहना था कि प्रतिबंधित अवशेष को जानबूझकर मुख्य बाजार क्षेत्र में फेंका गया है, जिससे लोगों की धार्मिक भावनाओं को आहत करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने इसे एक सुनियोजित साजिश करार देते हुए दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की।

नियमित टीकाकरण कार्यक्रम की प्राथमिकताओं डेटा एनालिटिक्स परियोजना पर जिला स्तरीय कार्यशाला

संवाददाता

साहिबगंज: स्वास्थ्य विभाग साहिबगंज व जेएस आईआर एण्ड की इंडिया फाउंडेशन के तकनीकी सहयोग से साहिबगंज जिले में नियमित टीकाकरण डेटा गुणवत्ता व डेटा प्रबंधन को सुदृढ़ करने हेतु एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला में साहिबगंज जिले के टीकाकरण कार्यक्रम की प्रमुख प्राथमिकताओं, जीरो डोज बच्चों की पहचान कवरेज सुनिश्चित करने की कार्ययोजना, डेटा एनालिटिक्स परियोजना के उद्देश्य एवं गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

डेटा एनालिटिक्स परियोजना के अंतर्गत रणनीतिक हस्तक्षेपों बेसलाइन असेसमेंट नियमित मॉनिटरिंग, लाभार्थियों की ट्रैकिंग एवं सहभागिता, रिकॉर्डिंग रिपोर्टिंग प्रणाली को मजबूत करने पर विशेष बल दिया गया।साथ ही, सत्रों की योजना बनाम आयोजित सत्र , पूर्ण टीकाकरण प्राप्त बच्चों की स्थिति सुधार के लिए आवश्यक प्रमुख संकेतकों को साझा किया गया।कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को डेटा आधारित निर्णय लेने, सटीक रिपोर्टिंग पारदर्शी निगरानी प्रणाली के महत्व से अवगत कराया गया। विशेषज्ञों द्वारा व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिससे क्षेत्र स्तर पर कार्यरत कर्मियों की क्षमता में वृद्धि हो सके।भविष्य में नियमित टीकाकरण कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु प्राप्त जानकारियों को धरातल पर लागू करने का संकल्प लिया।जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी साहिबगंज द्वारा इस सफल आयोजन के लिए सभी सहयोगी संस्थाओं, अधिकारियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

गंगा तट पर मिट्टी माफिया का कहर, ग्रामीणों ने रोका ट्रैक्टरों का परिचालन

–उधवा में अवैध खनन और दिनभर ट्रैक्टर चलने से बढ़े हादसों के खतरे पर प्रशासन से कार्रवाई की मांग

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा: प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत नाशघाट से पियारपुर पीसीसी सड़क पर गंगा नदी तट से हो रहे अवैध मिट्टी उत्खनन और उसके परिवहन को लेकर मंगलवार को ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। स्थानीय दर्जनों ग्रामीणों ने अवैध मिट्टी लदे कई ट्रैक्टरों को घंटों रोककर रखा और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। बाद में ग्रामीणों ने ट्रैक्टर चालकों को कड़ी चेतावनी देकर छोड़ा। ग्रामीणों ने बताया कि गंगा किनारे अवैध रूप से मिट्टी का उत्खनन कर ट्रैक्टरों के माध्यम से पियारपुर होते हुए पश्चिम बंगाल के विभिन्न ईंट भट्टों में भेजा जा रहा है। दिन-रात ट्रैक्टरों के परिचालन से सड़क पर दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। बीते दिनों कई सड़क हादसों में लोगों की जान जा चुकी है, जिससे आम राहगीरों और स्थानीय लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। अब्दुल रेजा, लतीफ शेख, आलम शेख, महबूब शेख सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व में ट्रैक्टर मालिकों और चालकों को समझाकर यह सहमति बनी थी कि रात 9 बजे के बाद ही ट्रैक्टरों का परिचालन किया जाएगा। कुछ दिनों तक इसका पालन भी हुआ, लेकिन अब फिर से दिनभर ट्रैक्टर चलाए जा रहे हैं, जिससे लोगों की परेशानी बढ़ गई है। दिन के समय ट्रैक्टरों के चलने से स्कूली छात्र-छात्राओं, छोटे बच्चों और सड़क किनारे बसे परिवारों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासनिक उदासीनता के कारण अवैध मिट्टी खनन पर रोक नहीं लग पा रही है और माफियाओं के हौसले बुलंद हैं।

ग्रामीणों ने यह भी कहा कि एक ओर सरकार बाढ़ से बचाव के लिए गंगा तटीय इलाकों में बोल्डर क्रेटिंग का कार्य करा रही है, वहीं दूसरी ओर अवैध मिट्टी कटाव से दियारा क्षेत्र और गंगा तट को लगातार कमजोर किया जा रहा है। विरोध कर रहे ग्रामीणों ने प्रशासन से अवैध मिट्टी उत्खनन और ट्रैक्टरों के परिचालन पर तत्काल रोक लगाने तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अकीदत के साथ मनाई गई शब-ए-बरात

पूर्वी सिंहभूम : शहर में मंगलवार को मुस्लिम समाज के लोगों ने शब–ए–बरात का पर्व पूरी अकीदत, श्रद्धा और धार्मिक भावना के साथ मनाया। इस अवसर पर मस्जिदों, कब्रिस्तानों और घरों में विशेष धार्मिक आयोजन हुए। लोगों ने पूरी रात अल्लाह की इबादत में गुजारी और अपने जाने–अनजाने में हुए गुनाहों की माफी के लिए खुदा से दुआ मांगी। शब–ए–बरात को लेकर शहर की मस्जिदों में विशेष नमाज, कलाम पाक की तिलावत और नफिल नमाज का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। जाकिरनगर स्थित शिया जामा मस्जिद में 12वें इमाम हजरत महदी अलैहिस्सलाम की विलादत के अवसर पर विशेष महफिल सजी, जहां धार्मिक तकरीरों के साथ दुआ और इबादत का सिलसिला देर रात तक चलता रहा। शब–ए–बरात के मौके पर मुस्लिम समाज के लोग अपने मरहूम परिजनों की कब्रों पर पहुंचकर उनकी मगफिरत के लिए दुआ करते हैं। इसी परंपरा के तहत साकची, मानगो, जाकिरनगर, धातकीडीह, जुगसलाई, बारीनगर और बमार्माइंस कैरेज कॉलोनी स्थित कब्रिस्तानों में देर रात तक लोगों का आना–जाना लगा रहा।

बरहरवा नगर पंचायत निकाय चुनाव, 4 प्रत्याशियों ने किया नामांकन दाखिल

संवाददाता

साहिबगंज/बड़हरवा: नगर पंचायत में आगामी नगर निकाय चुनाव को लेकर चुनावी घमासान तेज हो गया है सभी प्रत्याशी अपने-अपने समर्थकों के साथ चुनावी दंगल में किस्मत आजमाने के लिए कूद चुके हैं इसी इसी संदर्भ में बरहरवा नगर पंचायत अध्यक्ष पद को लेकर प्रत्याशियों ने अपने-अपने समर्थकों के साथ निवार्ची पदाधिकारी के समक्ष अपना पर्चा दाखिल कर रहे है । मंगलवार को अध्यक्ष पद के लिए 4 प्रत्याशियों ने पर्चा दाखिल किया। जिसमें नगर अध्यक्ष के लिये ललिता पासवान,रफत निसार,बबिता देवी

,मीनाक्षी देवी ने पर्चा दाखिल कर दिया है।वहीं वार्ड सदस्यों के

लिए नामांकन प्रक्रिया हेतु तिथि तय की गई है जिसमें बरहरवा नगर पंचायत के वार्ड 1 से वार्ड 7 तक 17 वार्ड 8 से 14 तक 16 नामांकन पर्चा दाखिल। नामांकन के क्रम में सभी प्रत्याशियों ने भारी संख्या में नगर पंचायत का भृमण कर निवार्ची पदाधिकारी कार्यालय प्रखंड मुख्यालय पहुँचे। साथ ही प्रत्याशियों के समर्थकों का उत्साह उनके जोरदार नारेबाजी से झलक रही थी। परन्तु बरहरवा नगर पंचायत की जनता किसे सेवा का मौका देती है ये देखने वाली बात होगी। हलाँकि इस बार प्रत्याशियों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। सभी अपनी- अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटे है।

वार्ड 02 से डॉ.आनंद कुमार सत्य ने दाखिल किया नामांकन

संवाददाता

साहिबगंज:नगर निकाय चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इसी क्रम में मंगलवार को वार्ड संख्या 02 से वार्ड पार्षद प्रत्याशी डॉ। आनंद कुमार सत्य ने अनुमंडल कार्यालय में निवार्ची पदाधिकारी अमर जॉन आइंद के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने के बाद डॉ आनंद कुमार सत्य ने कहा कि जनता का आशीर्वाद मिला तो वार्ड की सभी समस्याओं को दूर कर समुचित विकास के लिए कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि जनता कि जो भी समस्या होंगी।उसे दूर कर वार्ड को एक नया रूप देने का काम करेंगे। उन्होंने वार्डवासियों से एक बार सेवा का अवसर देने की अपील की। मौके पर डॉ बीरु कुमार केशरी,अभिषेक चौरसिया,राजू साह,द्वारिका प्रसाद केशरी, विनीत, श्रवण चौरसिया, विक्की गुप्ता सहित कई लोग मौजूद थे।

प्रतिभा खोज व चयन परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन वाले छात्रों को किया गया सम्मानित

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा: बाबूलाल नंदलाल बोहरा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के सभागार में मंगलवार को प्रतिभा खोज एवं चयन परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार आजाद एवं अतिथि बरहरवा प्रेस क्लब के अध्यक्ष दीपक आनंद के द्वारा भारत माता, सरस्वती माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।वही प्रधानाचार्य ने प्रेस क्लब के अध्यक्ष दीपक आनंद

को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किए हैं।साथ ही उन्होंने बताया कि सतयुग से ही पत्रकारों का काम देवर्षि नारद ने किए थे,वर्तमान समय में आप उसके ध्वजारोहक हैं,प्रजातंत्र में चार स्तंभ में आप एक स्तंभ हैं आज के समय में आपकी भूमिका अति महत्वपूर्ण है। वही कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए वनांचल शिक्षा समिति के द्वारा बरहरवा बाबूलाल नंदलाल बोहरा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर को जैक दसवीं बोर्ड में सत प्रतिशत प्रथम श्रेणी परीक्षा परिणाम के उपलक्ष्य में उत्कृष्ट विद्यालय सम्मान 2025 -26 के रूप में सम्मानित किया है, जिसे अध्यक्ष दीपक आनंद के द्वारा प्रधानाचार्य प्रमोद आजाद को शील्ड भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही प्रतिभा खोज एवं चयन परीक्षा में शामिल भैया बहनों को भी प्रशस्ति पत्र देकर अतिथि के हाथों संबोधित सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य आजाद ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि भैया बहन आगे भी कड़ी मेहनत कर अपना एवं विद्यालय के साथ-साथ पूरे बरहरवा का नाम रोशन करने का कार्य करें। मौके पर आचार्य चिंतामणि गोस्वामी,सुरेंन,नारायण , भास्कर,कंचन,सौरभ एवं सभी आचार्य एवं दीदी मौजूद रहे।

महिलाओं को कमजोर समझना सबसे बड़ी भूल

भारतीय सिनेमा में जब भी मजबूत महिला किरदारों की बात होती है, तो रानी मुखर्जी का नाम सबसे पहले लिया जाता है। खासतौर पर मर्दानी फ्रेंचाइज़ी ने उन्हें एक ऐसी अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया है, जो सिर्फ पर्दे पर ही नहीं, बल्कि अपनी सोच और बयानों के जरिए भी महिलाओं की ताकत को सामने रखती हैं। इस बीच रानी मुखर्जी ने मर्दानी होने के मायने पर खुलकर बात की और भारतीय महिलाओं की शक्ति, सहनशक्ति और साहस को बयां किया। से बात करते हुए रानी मुखर्जी ने कहा, मैं हमेशा सभी से यही कहती हूं कि महिलाएं अपने आप में शक्ति का स्वरूप होती हैं। जब किसी महिला को प्यार और सम्मान मिलता है, तो वह देवी गौरी और देवी पार्वती की तरह शांत, कोमल और करुणामयी होती है। लेकिन अगर कोई महिला को परेशान करता है, उसके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाता है, तो वही महिला देवी चंडी और देवी दुर्गा का रूप भी धारण कर सकती है। महिलाओं को कमजोर समझना सबसे बड़ी भूल है, क्योंकि वे हालात के अनुसार खुद को बदलना और हर चुनौती का सामना करना जानती हैं।

रानी ने आगे कहा, मैं हमेशा भारतीय महिलाओं को सबसे अच्छे और सशक्त रूप में दिखाना चाहती हूं। हर भारतीय महिला के भीतर एक सुपरपावर छिपी होती है, चाहे वह गृहिणी हो, टीचर हो, पत्रकार हो या पुलिस अफसर। महिलाएं न सिर्फ अपने काम को पूरी ईमानदारी और खूबसूरती से निभाती हैं, बल्कि परिवार और जिम्मेदारियों के बीच भी बेहतरीन संतुलन बनाए रखती हैं। रानी मुखर्जी ने कहा, वर्दी पहनने वाली या ताकतवर पदों पर बैठी महिलाएं भी आम महिलाओं की तरह रोजमर्रा की जिंदगी जीती हैं, लेकिन उनके भीतर एक खास मानसिक और भावनात्मक ताकत होती है, जो उन्हें हर मुश्किल से लड़ने की हिम्मत देती है। एक भारतीय महिला होने के नाते मेरे लिए यह बेहद जरूरी है कि मैं दुनिया को दिखा सकूं कि असली मर्दानी कौन होती हैं और असली हीरो किसे कहा जाता है। उन्होंने कहा, मैं ऐसी सभी महिलाओं से गहराई से प्रेरित हूं जो बिना शोर मचाए, बिना सुर्खियों में आए, हर दिन समाज और अपने परिवार के लिए संघर्ष करती हैं।

श्रिया सरन पर लगा साउथ की एक्ट्रेस होने का लेबल!

जवाब से लोगों को किया खामोश

अभिनेत्री श्रिया सरन अपकमिंग फिल्म दृश्यम 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। उत्तराखंड में जन्मी और हिंदी बोलने वाले परिवार में पली-बढ़ी अभिनेत्री ने साउथ इंडियन सिनेमा में काम किया। उन्होंने साउथ की फिल्मों में तब काम किया जब उन्हें तमिल और तेलुगु बोलना नहीं आता था। 25 साल के अपने करियर में श्रिया ने हिंदी सिनेमा में भी काम किया है। श्रेया ने साउथ इंडियन एक्ट्रेस कहे जाने पर अपनी बात रखी है।

श्रिया सरन ने अपनी जिंदगी में हुए कई बदलावों को लेकर कहा मेरा जन्म हरिद्वार में हुआ था। मैं अपनी जिंदगी के 17 साल वहीं रही। फिर मैं दिल्ली आ गई, ताकि कथक सीख सकूं। फिर मैंने 17 साल की उम्र में एक्टिंग शुरू की। यह मेरे परिवार के लिए एक बहुत बड़ा कदम था। मेरे पापा इंजीनियर हैं, मां अध्यापक हैं।

साउथ में सीखी ये चीजें

श्रिया सरन का मानना है कि शुरुआती वर्षों ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया। उन्होंने कहा क्योंकि मैं दिल्ली में एक छोटे शहर की लड़की थी, साउथ में जाना और काम करना मेरे लिए हैरान करने वाला था। वहां से जब मैं सेट पर गई, नई भाषाएं सीखी, यह सब, मुझे लगता है कि इसने मुझे जिंदगी के लिए सच में तैयार किया। साउथ ने मुझे जिस तरह का प्यार दिया है, उससे मैं सच में खुद को खुशनसीब मानती हूं। मेरा दिल साउथ इंडियन है।

आप जो मानते हैं आप वही हैं

साउथ इंडियन कहे जाने पर अभिनेत्री ने कहा मैंने जो चीजें सीखीं, उनमें से एक यह है कि आप वही हैं जो आप खुद को मानते हैं। अगर आप बढ़ते रहते हैं और सीखते रहते हैं और जिंदगी को आपको चीजें सिखाने देते हैं, तो आप उसे बेहतर तरीके से जीना शुरू कर देते हैं।

श्रिया सरन का वर्कफ्रंट

आपको बता दें कि श्रिया सरन ने 2001 में तेलुगु फिल्म इष्टम से डेब्यू किया। वह छत्रपति, शिवाजी, पोक्किरी राजा और मनम जैसी कई तमिल और तेलुगु फिल्मों में नजर आईं। इसके साथ ही, उन्होंने हिंदी सिनेमा में भी अपनी लगातार मौजूदगी बनाए रखी है, खासकर दृश्यम फ्रेंचाइजी में। श्रिया सरन 23 जनवरी 2026 को रिलीज हुई सीरीज स्पेस जेन- चंद्रयान में नजर आ रही हैं। वह इस साल के आखिर में दृश्यम 3 में बड़े पर्दे पर भी वापसी करेंगी।

हाई-ऑक्टेन स्पोर्ट्स थ्रिलर ग्लोरी में बॉक्सर के रूप में नजर आने वाले हैं पुलकित

पुलकित सम्राट अपने करियर के एक अहम मोड़ पर खड़े हैं। फिलहाल वे अपनी पहली ओटीटी सीरीज़ ग्लोरी के साथ डिजिटल स्पेस में दमदार एंट्री करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिलहाल हाई-ऑक्टेन स्पोर्ट्स थ्रिलर ग्लोरी में पुलकित एक बिल्कुल नए अवतार यानी एक बॉक्सर के रूप में नजर आनेवाले हैं। हालांकि पुलकित के लिए यह किरदार उनके किसी सपने के सच होने जैसा है। गौरतलब है कि ग्लोरी, एक पेशेवर बॉक्सिंग के साथ प्रतिस्पर्धी दुनिया में सेट एक मशहूर कोच और उसके दो अलग हुए बेटों की कहानी है, जिनके ओलंपिक सपने आपसी टकराव, अधूरे जज़्बात, प्रतिद्वंद्विता और बदले की भावना से टकराते हैं। इस भावनात्मक और रोमांचक कहानी के केंद्र में पुलकित का किरदार है, जो न सिर्फ शारीरिक ताकत बल्कि गहरी भावनात्मक सच्चाई की भी मांग करता है। अपने अनुभव को साझा करते हुए पुलकित मानते हैं कि यह सफर आसान नहीं था। वह कहते हैं, यह प्रक्रिया बेहद इंटेंस रही है, लेकिन उतनी ही एडिक्टिव भी। बता दें कि पुलकित को इस किरदार की तैयारी के लिए कड़ी फिज़िकल ट्रेनिंग से गुजरना पड़ा, साथ ही भावनात्मक स्तर पर भी खुद को पूरी तरह झोंकना पड़ा। एक बॉक्सर की भूमिका निभाना उनके लिए कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकलकर खुद को नए सिरे से खोजने जैसा है।

पुलकित यह भी कहते हैं, अगर अभिनेता सेफ खेलते रहें, तो उनकी ग्रोथ रुक जाती है और सब कुछ फॉर्मूला बन जाता है। अब हम इसके लिए तो अभिनेता नहीं बने है न। उनके अनुसार, खुद को चुनौती देना न सिर्फ कलाकार के विकास के लिए ज़रूरी है, बल्कि दर्शकों को कुछ नया देने के लिए भी ज़रूरी है। बीते सालों में पुलकित सम्राट ने अपनी फिल्मोग्राफी में विविधता और प्रयोग के जरिए एक अलग पहचान बनाई है,फिर चाहे वह हल्की-फुल्की एंटरटेनर फिल्में हों, गंभीर हों या परफॉर्मेंस-ड्रिवन रोल्स हों। रही बात ग्लोरी की तो इस फिल्म का किरदार उनके करियर में एक मजबूत परत जोड़ता है। यह एक ऐसा किरदार है, जो अनुशासन, संवेदनशीलता और सच्ची भावनात्मक ईमानदारी की मांग करता है। फिलहाल ग्लोरी के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कदम रख रहे पुलकित एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं, जो जोखिम उठाने के साथ-साथ खुद को नए रूप में गढ़ने और रचनात्मक महत्वाकांक्षा से भरा है। हालांकि ग्लोरी में बॉक्सर के रूप में वह न सिर्फ अपने एक लंबे समय से चले आ रहे सपने को पूरा कर रहे हैं, बल्कि एक ऐसे अभिनेता के रूप में अपनी पहचान और मजबूत कर रहे हैं, जो हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को लगातार विकसित करता जा रहा है।

फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं की एक्सपायरी डेट होती है

एक्ट्रेस मोना सिंह फिल्म बॉर्डर 2 की कामयाबी को लेकर खुश हैं। वह जल्द ही कोहरा के दूसरे सीजन में नजर आने वाली है। इसमें वह एक पुलिस ऑफिसर का चैलेंजिंग रोल निभा रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपने किरदार और फिल्म इंडस्ट्री में बड़ी उम्र के कलाकारों के बारे में बात की है।

स्क्रीन पर बूढ़ी क्यों दिखती हैं मोना?

बातचीत में मोना सिंह ने 40 की उम्र में भी स्क्रीन पर 50 और 60 साल के किरदारों को निभाने के बारे में बात की। उन्होंने कहा, मैंने अपनी ऑन-स्क्रीन उम्र की परवाह नहीं की है, क्योंकि मैं बहुत कॉन्फिडेंट हूं और मुझे पता है कि मैं कौन हूं। मुझे कुछ भी साबित नहीं करना है, इसलिए मैं रिस्क लेती रहती हूं। लोग अक्सर मुझसे पूछते हैं, आप स्क्रीन पर इतनी बूढ़ी क्यों दिखती हैं? मैं कहती हूं कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यह वह किरदार है जिसे मैं निभा रही हूं और यह मुझे सच में एक्साइट करता है।

60 की उम्र में पुरुष करते हैं रोमांटिक रोल

एक्ट्रेस ने माना कि इंडस्ट्री में लोग बड़ी उम्र के एक्टर्स को अच्छे रोल देने से हिचकिचाते हैं। उन्होंने कहा, यह सिर्फ इसी इंडस्ट्री में होता है कि महिलाओं की एक एक्सपायरी डेट होती है। यह बहुत दुख की बात है। 60 साल के पुरुष अभी भी रोमांटिक लीड रोल कर सकते हैं, जबकि महिलाएं नहीं कर सकतीं। मैंने कभी इस बारे में ज्यादा परवाह नहीं की।

बॉर्डर 2 में मोना का किरदार

आपको बता दें कि मोना सिंह ने 23 जनवरी को रिलीज हुई फिल्म बॉर्डर 2 में सनी देओल की पत्नी का किरदार निभाया है। इसके लिए उनकी काफी तारीफ हुई। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर रही है।

कब रिलीज होगी कोहरा 2

मोना ने कोहरा सीजन 2 का हिस्सा बनने को एक बहुत बड़ा सम्मान बताया। दूसरे सीजन में, वह धनवंत कौर का रोल निभा रही हैं। कोहरा 2 11 फरवरी को रिलीज होगी।

यामल और अराउहो के गोल से बार्सिलोना सेमीफाइनल में, अल्बासेटे को 2-1 से हराया

एजेंसी

अल्बासेटे, (स्पेन) : गत विजेता बार्सिलोना ने कोपा डेल रे में अल्बासेटे के ह्यजायंट-किलिंगह्न अभियान पर विराम लगाते हुए मंगलवार को क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उसे 2झ1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली पहली टीम बन गई। हालांकि दूसरे डिवीजन की टीम अल्बासेटे ने अंत में जोरदार वापसी की कोशिश कर बार्सिलोना को कड़ी चुनौती दी। बार्सिलोना के लिए लामिन यामल ने 39वें मिनट में शानदार गोल कर स्कोरिंग की शुरूआत की। इसके बाद कप्तान रोनाल्ड अराउहो ने दूसरे हाफ में कॉर्नर से हेडर लगाकर टीम की

बढ़त दोगुनी कर दी। इसके साथ ही बार्सिलोना पिछले साल जीती गई ट्रॉफी का बचाव करने की दिशा में आगे बढ़ गया।

मैच के अंतिम चरण में अल्बासेटे ने जोरदार दबाव बनाया। 87वें मिनट में जावियर मोरेनो ने फ्री-किक पर डाइविंग हेडर से गोल कर अंतर घटा दिया। स्टॉपेज टाइम में अल्बासेटे का एक और प्रयास बार्सिलोना की गोल लाइन से क्लीयर कर दिया गया, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया। स्पेनिश सेकेंड डिवीजन में 12वें स्थान पर काबिज अल्बासेटे ने इससे पहले कोपा डेल रे में सेल्टा विगो और रियल मैड्रिड जैसी बड़ी टीमों को बाहर कर सनसनी फैलाई थी। क्वार्टरफाइनल में भी उसने दमदार खेल दिखाया, लेकिन बार्सिलोना की गुणवत्ता अंततः भारी पड़ी।

पहले हाफ में बार्सिलोना के मार्कस रैशफोर्ड ने गेंद छीनी और फ्रेंकी डी जोंग के जरिए यामल को मौका मिला, जिसे युवा स्टार ने बाएं पैर से बेहतरीन फिनिश दिया। रैशफोर्ड और दानी ओल्मो को भी गोल के मौके मिले, लेकिन वे उन्हें भुना नहीं सके।

दूसरे हाफ में अराउहो ने दिसंबर में मानसिक स्वास्थ्य ब्रेक के बाद अपनी पहली शुरूआत में गोल कर खास वापसी की। अंतिम मिनटों में फेरान टोरेस का गोल ऑफ-साइड करार दिया गया, जिससे स्कोर 2-1 ही रहा।

अन्य क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में बुधवार को डेपोर्टिवो अलावेस बनाम रियल सोसिएदाद और वालेंसिया बनाम एथलेटिक बिलबाओ खेला जाएगा, जबकि गुरुवार को एटलेटिको मैड्रिड का सामना रियल बेटिस से होगा।

बार्सिलोना ने पिछले साल सेविला में खेले गए फाइनल में अतिरिक्त समय में रियल मैड्रिड को 3-2 से हराकर खिताब जीता था।

स्मिथ ने पीएसएल फ्रेंचाइजी सियालकोट स्टैलियनज के साथ किया करार, 2028 ओलंपिक का सपना अब भी जिंदा

एजेंसी

मेलबर्न : ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट स्टार स्टीव स्मिथ ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की नई फ्रेंचाइजी सियालकोट स्टैलियनज के साथ करार कर लिया है। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टी20 टीम में वापसी और लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 में खेलने का उनका सपना अब भी कायम है, जहां पहली बार टी20 क्रिकेट को शामिल किया जाएगा। 36 वर्षीय स्मिथ ने हाल ही में एशेज सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसके बाद उन्होंने सिडनी सिक्सर्स के लिए बिग बैश लीग (बीबीएल) में भी बेहतरीन बल्लेबाजी की। इसके बावजूद उन्हें ऑस्ट्रेलिया की टी20 वर्ल्ड कप टीम में जगह नहीं मिल सकी।

स्मिथ कई बार साफ कर चुके हैं कि उनका बड़ा लक्ष्य 2028 ओलंपिक में खेलना है। हालांकि सिडनी टेस्ट के बाद उन्होंने यह भी

कहा था कि उनका भविष्य ह्लदिन-प्रतिदिनह्न का मामला है। लेकिन पीएसएल में साइन करना इस बात का संकेत है कि उनके इरादे अभी मजबूत हैं।

ऑस्ट्रेलियाई टी20 टीम में फिलहाल कप्तान मिच मार्श और ऑलराउंड स्टार ट्रैविस हेड को ओपनर के रूप में प्राथमिकता दी जा रही है, जिसके चलते चयनकर्ताओं को इन-फॉर्म स्मिथ के लिए जगह नहीं मिल पाई।

पीएसएल में सियालकोट स्टैलियनज के लिए खेलना स्टीव स्मिथ के लिए अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में अपनी दावेदारी को और मजबूत करने का अहम मौका माना जा रहा है।

ग्रीस में कोस्ट गार्ड के जहाज की प्रवासी नाव से टक्कर में 15 लोगों की मौत

एजेंसी

एथेंस : ग्रीस और तुर्किये के मध्य स्थित एजियन सागर में चियोस द्वीप के तट पर ग्रीक कोस्ट गार्ड के एक गश्ती जहाज एवं प्रवासियों और शरणार्थियों को ले जा रही एक नाव के बीच टक्कर में 15 लोगों की मौत हो गई। इनमें से 14 के शव समुद्र से बरामद किए गए।

ग्रीक नेशनल ब्रॉडकास्टर ईआरटी की रिपोर्ट के अनुसार, बचाए गए 24 प्रवासियों में से एक की पास के अस्पताल में चोटों के कारण मौत हो गई। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, मृतकों में 11 पुरुष और चार महिलाएं शामिल हैं।

यह दुर्घटना स्थानीय समय के अनुसार रात लगभग 9:00 बजे हुई। घायलों में कई बच्चे और दो गर्भवती महिलाएं शामिल हैं।

दोनों महिलाएं चोट सह नहीं पाईं और कथित तौर पर गर्भपात हो गया। नेशनल इमरजेंसी एड सेंटर के अनुसार, बचाए गए ज्यादातर लोगों को मामूली चोटें आईं। कुछ लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। खोज और बचाव अभियान जारी है। इस अभियान में चार कोस्ट गार्ड जहाज, स्वयंसेवी गोताखोरों को ले जा रही एक निजी नाव और एक हेलेनिक वायु सेना का हेलीकॉप्टर शामिल हैं।

ग्रीक के सरकारी रेडियो ईपीटी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, घायलों की संख्या बढ़कर 25 हो गई है। रात लगभग 12 बजे घायलों में से एक महिला को चियोस अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों में दस बच्चे हैं। इसी बीच, दो कोस्ट गार्ड अधिकारी भी घायल हो गए हैं और उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। ओइनौसेस के मेयर जियोर्गोस डैनियल ने कहा कि गश्ती जहाज ओइनौसेस में था। उसी ने प्रवासी नाव को देखा।

ग्रीक के समाचार आउटलेट प्रोटोथेमा की रिपोर्ट के अनुसार, चियोस का यह वाकया कोस्ट गार्ड और प्रवासी तस्करों के बीच हुई टक्कर का नतीजा है। कोस्ट गार्ड के गश्ती जहाज पर छोटी नाव पर सवार तस्करों ने ही पैंतरेबाजी करते हुए टक्कर मारी। इससे अफरातफरी मच गई। कोस्ट गार्ड की कार्रवाई में कई प्रवासी मारे गए। कई घायल हो गए। यह लोग मर्सिनिडी इलाके के बताए गए हैं। इस दौरान गोलीबारी की भी खबरें हैं। मगर इनकी पुष्टि नहीं हो सकी है। कहा जा रहा है कि नाव में लगभग 35 लोग सवार थे।

कृषि उत्पादों पर शून्य आयात शुल्क से खतरे में किसानों का भविष्य, केंद्र सरकार खामोश : विक्रमादित्य सिंह

एजेंसी

शिमला : लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने भारत-अमेरिका संभावित व्यापार समझौते को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा है कि यदि इस समझौते के तहत कृषि उत्पादों पर शून्य आयात शुल्क लागू किया गया तो इससे देश की कृषि व्यवस्था और करोड़ों किसानों का भविष्य खतरे में पड़ सकता है।

विक्रमादित्य सिंह ने बुधवार को एक बयान में कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से यह दावा किया है कि भारत अमेरिका से ऊर्जा, तकनीक और कृषि उत्पादों की बड़े पैमाने पर खरीद के लिए तैयार है और आयात शुल्क तथा अन्य बाधाएं हटाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उनका कहना है कि यदि ऐसे फैसले किसानों, संसद और राज्यों से बिना चर्चा के लिए जाते हैं, तो यह किसानों के हितों के साथ सीधा विश्वासघात होगा।

उन्होंने कहा कि भारत की खेती आज भी छोटे और सीमांत किसानों पर आधारित है। ऐसे किसानों को अमेरिका जैसे देशों की सब्सिडी आधारित, कॉरपोरेट खेती से सीधी प्रतिस्पर्धा में डालना किसी भी तरह से उचित नहीं है। यदि अमेरिकी अनाज, दालें, तिलहन, फल-सब्जियां और डेयरी उत्पाद बिना या बहुत कम शुल्क के भारत आते हैं, तो इससे घरेलू बाजार में कीमतें गिरेंगी, किसानों की आय और घटेगी और ग्रामीण इलाकों में रोजगार का संकट और गहरा होगा। विक्रमादित्य सिंह ने यह भी कहा कि डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्र पर भी दबाव बनाए जाने की खबरें चिंताजनक हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि केंद्र सरकार अब तक यह साफ क्यों नहीं कर रही है कि किन कृषि उत्पादों को शून्य शुल्क के दायरे में लाया जा रहा है और इसका भारतीय किसानों पर क्या असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि एक तरफ अमेरिका अपने किसानों को इस समझौते के फायदे गिना रहा है, वहीं भारत सरकार अपने किसानों को लेकर पूरी तरह चुप है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा हालात में देश की कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सौदेबाजी का माध्यम बना दिया गया है, जिसकी कीमत किसानों को बढ़ते कर्ज, लागत और प्राकृतिक आपदाओं के बीच चुकानी पड़ेगी। उनका कहना है कि इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय समझौते पर संसद में चर्चा, राज्यों के मुख्यमंत्रियों से सलाह और किसान संगठनों से संवाद जरूरी है, लेकिन फैसले बंद कमरों में लिए जा रहे हैं।

सड़क हादसे में दूल्हा के भाई समेत दो की मौत

ग्वालपाड़ा (असम) : ग्वालपाड़ा जिले के आगिया थाना क्षेत्र इलाके में हुई एक सड़क हादसे में शादी करने गए दूल्हे के बड़े भाई समेत दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को बताया कि आगिया थाना क्षेत्र के बूधीपाड़ा इलाके में बारात लेकर लौट रही वाहनों में से बस और एक मैजिक को ट्रक द्वारा ठोकर मार जाने की वजह से दूल्हे की बड़े भाई और एक अन्य रिश्तेदार की मौत हो गई। मृतक की पहचान नरेश दास और दूल्हे के रिश्तेदार रवि दास के रूप में की गई है । घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम में दोनों शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के अस्पताल भेज दिया । यह दुर्घटना आज तड़के उस समय हुई जब सभी बारात लेकर लौट रहे थे। इस हादसे में कई अन्य बाराती घायल हुए हैं जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्व कैंसर दिवस पर स्वस्थ जीवनशैली और जागरूकता का संकल्प दोहराया

एजेंसी

भोपाल : आज बुधवार को विश्व कैंसर दिवस हैं। हर साल दुनिया भर में 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने, इसकी रोकथाम को प्रोत्साहित करने और वैश्विक कैंसर महामारी से निपटने के लिए कार्रवाई को एकजुट करने के लिए मनाया जाता है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व कैंसर दिवस पर कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समय पर जांच व उपचार के संकल्प को दोहराया है। उन्होंने अस्वस्थ जीवनशैली से दूर रहने, नियमित जांच कराने और स्वस्थ दिनचर्या अपनाकर कैंसर को

हराने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने संदेश में कहा- कैंसर से सुरक्षा का सबसे प्रभावी कवच जागरूकता, समय पर जांच और उपचार है। आइए, विश्व कैंसर दिवस पर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और समाज को इस गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक करने का संकल्प लें। संतुलित आहार और नियमित व्यायाम स्वस्थ जीवन का आधार है।

एसटीएफ टीम ने कालोनाइजर महेंद्र गौतम के हत्यारे इनामी शूटर बनारसी यादव को मुठभेड़ में किया ढ़ेर

एजेंसी

वाराणसी : सारनाथ थाना क्षेत्र में कालोनाइजर महेंद्र गौतम की गोली मारकर हत्या करने वाले इनामी शूटर बनारसी यादव को एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स)ने मुठभेड़ में ढ़ेर कर दिया। इस दौरान उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग निकला। मंगलवार की देर रात चौबेपुर थाना क्षेत्र के जाल्हूपुर रिंग रोड बरियासनपुर के पास हुई मुठभेड़ की जानकारी पाते ही अफसर भी मौके पर पहुंच गए। एक लाख रुपए के इनामी बदमाश की तलाश पुलिस टीम पिछले पॉच माह से कर रही थी। एसटीएफ के अफसरों के अनुसार देर रात

निरीक्षक अमित कुमार श्रीवास्तव और अनिल कुमार सिंह को सूचना मिली कि किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए दो इनामी शूटर बाइक से रिंग रोड की तरफ कुछ ही देर में आने वाले है। एसटीएफ के निरीक्षकों ने अपनी टीम के साथ रिंग रोड पर पहुंच कर घेरेबंदी कर ली। इसी दौरान गाजीपुर की तरफ से बाइक पर सवार दो युवक आते दिखे। एसटीएफ टीम ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो उसमें से एक ने गोली चलानी शुरू कर दी। पुलिस टीम की जवाबी फायरिंग में एक गोली बदमाश को लगी और वह जमीन पर चीख कर गिर पड़ा। यह देख उसकर साथी बाइक लेकर मौके से भाग निकला। पुलिस टीम ने मुठभेड़ की जानकारी अफसरों को देने के साथ घायल बदमाश को तत्काल पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय अस्पताल पांडेयपुर पहुंचाया। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृत बदमाश की पहचान गाजीपुर गौरहट निवासी बनारसी यादव के रूप में हुई। कालोनाइजर महेंद्र गौतम की हत्या के मामले में उसकी तलाश पुलिस को लम्बे समय से थी। मुठभेड़ में ढ़ेर बदमाश के पास से दो पिस्टल और बड़ी मात्रा में कारतूस बरामद हुआ। बताते चले कालोनाइजर हत्याकांड में बनारसी के साथ रहने वाले सेना के जवान गाजीपुर महाराजगंज निवासी अरविंद यादव को एक महीने पहले पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया था। बीते 21 अगस्त को सारनाथ थाना क्षेत्र के सिंहपुर-अरिहंत नगर कालोनी में कालोनाइजर महेंद्र गौतम की बाइक सवार तीन बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। एक बदमाश बाइक चला रहा था, जब कि पीछे बैठे दो बदमाश गोलियां चला रहे थे।

हिमाचल में बर्फबारी के बाद खुला मौसम, निचले इलाकों में कोहरे की मार

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश के ऊंचे पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और कुछ स्थानों पर बारिश के बाद अब मौसम खुल गया है। पर्यटन स्थलों शिमला, मनाली समेत राज्य के कई हिस्सों में बुधवार को सुबह से धूप खिली है। जनजातीय जिलों लाहौल-स्पीति और किन्नौर जिलों में भी मौसम साफ है।

हालांकि साफ मौसम के बावजूद पहाड़ों में तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है और लाहौल-स्पीति के कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान माइनस 12.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो राज्य में सबसे कम रहा। किन्नौर के कल्पा में माइनस 5.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया, जहां 10.8 सेंटीमीटर बर्फबारी भी हुई, जबकि कुफरी में भी हल्की बर्फबारी दर्ज की गई। शिमला में न्यूनतम तापमान 3.6 डिग्री, मनाली में माइनस 0.5 डिग्री, धर्मशाला में 4.6 डिग्री, सोलन में 2.0 डिग्री, मंडी में 5.5 डिग्री, पालमपुर में 6.0 डिग्री, कांगड़ा में 4.5 डिग्री, ऊना में 6.4 डिग्री, नाहन में 8.6 डिग्री, बिलासपुर में 7.0 डिग्री, राज्य के मैदानी और निचले इलाकों में ठंड

के साथ-साथ घना कोहरा लोगों की परेशानी बना हुआ है। बिलासपुर में सुबह के समय बेहद घना कोहरा छाया रहा और दृश्यता घटकर सिर्फ 30 मीटर तक रह गई, जबकि सुंदरनगर में दृश्यता करीब 100 मीटर और मंडी में लगभग 200 मीटर रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग के अनुसार अगले चार दिनों तक राज्य के निचले और मैदानी इलाकों में घने कोहरे को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। पूर्वानुमान के मुताबिक आज और कल यानी 4 और 5 फरवरी को प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में मौसम साफ रहेगा, हालांकि ठंड से राहत नहीं मिलेगी। 6 फरवरी को ऊंचे और पहाड़ी इलाकों में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश और बर्फबारी के आसार हैं, इसके बाद 7 और 8 फरवरी को एक बार फिर मौसम साफ रहने की संभावना जताई गई है। वहीं 9 और 10 फरवरी को पूरे हिमाचल प्रदेश में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के कारण व्यापक रूप से बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हो सकती है। बीते 24 घंटों में भुंतर, पालमपुर और सियोबाग जैसे क्षेत्रों में अच्छी बारिश दर्ज की गई, जबकि मनाली और आसपास के इलाकों में भी वर्षा हुई। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में लगातार सक्रिय हो रहे पश्चिमी विक्षोभ के कारण फरवरी के पहले पखवाड़े में मौसम में बार-बार बदलाव देखने को मिल सकता है, जिससे जहां एक ओर पहाड़ों में ठंड और बढ़ेगी, वहीं मैदानी इलाकों में कोहरे और शीतलहर जैसी स्थिति बनी रह सकती है।

सब्जी मंडी व प्राचीन मेला ग्राउंड क्षेत्र में गंदगी से बजबजाई नालियां, दुर्गंध से जनजीवन प्रभावित

एजेंसी

औरैया : उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अजीतमल कस्बे के गांधी नगर स्थित प्राचीन मेला ग्राउंड व सब्जी मंडी क्षेत्र में गंदगी और दुर्गंध की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। क्षेत्र की नालियों में लंबे समय से दुर्गंधयुक्त गंदा पानी जमा होने के कारण स्थानीय लोगों, दुकानदारों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नालियों में भरे पानी से कीड़े-मकोड़े पनप रहे हैं, जिससे संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा भी बना हुआ है। स्थानीय दुकानदार कुलदीप तिवारी ने बताया कि पिछले कई दिनों से नाले के निर्माण कार्य के चलते पानी की निकासी रोक दी गई है। इसके कारण गंदा पानी आगे नहीं निकल पा रहा है और सड़कों व गलियों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। कई बार राहगीर फिसलकर गिर चुके हैं। चारों ओर फैली दुर्गंध के कारण लोगों का इस क्षेत्र में रहना और आना-जाना मुश्किल हो गया है।

सब्जी मंडी क्षेत्र की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। मंडी में जगह-जगह पानी भरा होने से ग्राहकों को सब्जी खरीदने में काफी दिक्कत हो रही है। दुकानदारों का

कहना है कि गंदगी और बदबू के कारण ग्राहक मंडी आने से बच रहे हैं, जिससे उनके व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। कई दुकानदारों ने बताया कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो उनका कारोबार और अधिक प्रभावित होगा। इस संबंध में नगर पंचायत अध्यक्ष आशा चक ने बताया कि नाला निर्माण कार्य के चलते अस्थायी रूप से पानी रोका गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि समस्या का शीघ्र निस्तारण कराया जाएगा और निर्माण कार्य पूरा होते ही पानी की निकासी सुचारु कर दी जाएगी। वहीं स्थानीय नागरिकों ने नगर पंचायत प्रशासन से मांग की है कि नालियों की तत्काल सफाई कराई जाए और अधूरे निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा कराया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को इस गंभीर समस्या से राहत मिल सके और स्वास्थ्य संबंधी खतरे से बचाव हो सके।

आर्कटिक में सुरक्षा बढ़ाने को नाटो की नई पहल, आर्कटिक सेंट्री मिशन की तैयारी शुरू

एजेंसी

बर्लिन : नाटो ने आर्कटिक क्षेत्र में सुरक्षा मजबूत करने के लिए नए सैन्य मिशन की तैयारी शुरू करने की घोषणा की है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका और उसके सहयोगियों के बीच हाल के महीनों में तनाव देखने को मिला है। नाटो के सुप्रीम हेडक्वार्टर्स एलाइड पावर्स यूरोप (शेप) के प्रवक्ता मार्टिन ओह्लडॉनेल ने बताया कि आर्कटिक सेंट्री नाम से एक एनहैंस्ड विजिलेंस एक्टिविटी की योजना पर काम चल रहा है। उनका कहना है कि यह पहल आर्कटिक और हाई नॉर्थ क्षेत्र में नाटो की रणनीतिक मौजूदगी और सतर्कता को और मजबूत करेगी। हालांकि, मिशन के स्वरूप और तैनाती से जुड़ी विस्तृत जानकारी फिलहाल साझा नहीं की गई है। आर्कटिक को लेकर चर्चा तब तेज हुई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड की सुरक्षा को प्रमुख मुद्दा बनाते हुए इस क्षेत्र में अमेरिकी प्रभाव बढ़ाने की बात

कही थी। दिसंबर में उनके बयानों से ट्रांसअटलांटिक गठबंधन में असहजता बढ़ी थी। बाद में उन्होंने नाटो प्रमुख मार्क रुटे के साथ एक ह्लफ्रेमवर्कह्व समझौते का जिक्र करते हुए अपने रुख में नरमी दिखाई। नाटो का कहना है कि आर्कटिक में रूस और चीन की बढ़ती सक्रियता भी सुरक्षा दृष्टि से चिंता का विषय है, जिसके चलते क्षेत्र में सामूहिक उपस्थिति बढ़ाना जरूरी हो गया है। इधर डेनमार्क और ग्रीनलैंड ने अमेरिका के साथ बातचीत शुरू कर दी है और 1951 की उस संधि की पुनर्समीक्षा की संभावना जताई है, जो ग्रीनलैंड में अमेरिकी सैनिकों की तैनाती को नियंत्रित करती है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने भी संकेत दिए हैं कि नाटो देश आर्कटिक, खासकर ग्रीनलैंड के आसपास, स्थायी सुरक्षा उपस्थिति के पक्ष में हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन के कारण आर्कटिक क्षेत्र की सामरिक और आर्थिक अहमियत बढ़ रही है, जिससे वैश्विक शक्तियों की दिलचस्पी भी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में नाटो का यह नया मिशन आने वाले समय में भू-राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित कर सकता है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने की खबर के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.85 प्रतिशत की

कमजोरी के साथ 6,917.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 335.60 अंक यानी 1.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज 96.47 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 49,337.46 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.26 प्रतिशत टूट कर 10,314.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं सीएसी इंडेक्स ने 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 8,179.50 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.07 प्रतिशत लुढ़क कर 24,780.79 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,949.33 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.21 प्रतिशत उछल कर 32,262.87 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने आज बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 1.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,343.99 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ1,339.85 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 112.50 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,752.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है?। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 284.66 अंक यानी 0.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ 54,436 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.38 प्रतिशत लुढ़क कर 8,092.02 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 98.77 अंक यानी 0.37 प्रतिशत फिसल कर 26,736 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.07 अंक की सांकेतिक कमजोरी के साथ 4,067.67 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

प्रयागराज : 1694 आवेदकों को उद्योग शुरू करने में मिलेगा आर्थिक सहयोग

एजेंसी

प्रयागराज : केन्द्र सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत प्रयागराज जिले को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1694 का लक्ष्य मिला है। इस योजना के तहत सरकार रोजगार प्रदान करने का अभियान चला रही है। इस योजना के तहत अनुदान का 35 प्रतिशत सरकार सब्सिडी दे रही है। यह जानकारी बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं में अनुदान देने के मामले में उत्तर प्रदेश में प्रयागराज प्रथम स्थान पर है। खाद्य प्रसंस्करण विभाग, प्रयागराज ने युवाओं को रोजगार प्रदान करने के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि केन्द्र सरकार प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत पी.एम.एफ.एम.ई. संचालित है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत सूक्ष्म खाद्य उद्योग को लाभान्वित कर कुशल और अकुशल रोजगार उत्पन्न करना योजना का मुख्य उद्देश्य है। योजना में एक जिला एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.) (अमरूद उद्योग) की स्थापना एवं पूर्व से स्थापित अन्य खाद्य प्रसंस्करण इकाईयाँ पात्र होंगी। योजना के तहत आवेदक की आयु 18 वर्ष से कम न हो, शैक्षिक योग्यता न्यूनतम कक्षा 8 पास होना आवश्यक है।

जेके क्रिकेट एकेडमी में मीडिया कप का भव्य शुभारंभ

मेट्रो रेज

- राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने किया उद्घाटन, 16 पत्रकार टीमों की सहभागिता
- जेके इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम किया प्रस्तुत

रांची: जेके क्रिकेट एकेडमी में आज बहुप्रतीक्षित मीडिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ हुआ। टूर्नामेंट का उद्घाटन राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने किया। इस अवसर पर पत्रकारों की टीमों ने टूनामेंट में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

उद्घाटन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सभी पत्रकार खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पत्रकारों की भूमिका केवल मैदान के बाहर ही नहीं, बल्कि मैदान के अंदर भी उतने ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट जैसे खेल हमें धैर्य, अनुशासन, शालीनता और एकजुटता का संदेश देते हैं, जो जीवन में भी अत्यंत उपयोगी हैं।

कार्यक्रम को और भी आकर्षक बनाते हुए जेके इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित अतिथियों और दर्शकों ने खूब सराहा।

आयोजकों के अनुसार, इस मीडिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में कुल 16 पत्रकार टीमों ने हिस्सा लिया है। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला टीम भैरवी और टीम करू के बीच खेला गया, जिसमें खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर जेके ग्रुप ऑफ कंपनी के चेयरमैन जितेंद्र सिंह, जेके इंटरनेशनल स्कूल के डायरेक्टर जेशू प्रधान, अडानी ग्रुप के संजीव कुमार, टाटा ग्रुप के अधिकारी सहित कई गणमान्य अतिथि, खेल प्रेमी और पत्रकार उपस्थित रहे।

आयोजन स्थल पर खेल भावना, उत्साह और सौहार्द का माहौल देखने को मिला। आयोजकों ने बताया कि आने वाले दिनों में टूर्नामेंट के मुकाबले और भी रोमांचक होंगे।